शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 300 | गुवाहाटी | शनिवार, 6 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हम जंग खत्म करने के लिए तैयार, बशर्ते यूक्रेन को करने होंगे समझौते : पुतिन पेज 2

गृहमंत्री ने त्रिपुरा के लंकामुरा बीओपी का दौरा किया और सीमावर्ती... पेज 3

प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें : मुख्यमंत्री योगी पेज 5

लार्ड्स टेस्ट : अब मूविंग डे तीसरे नहीं पहले दिन होता है - काइल जैमीसन पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
खुशी तंदुरुस्ती है, इसके विपरीत उदासी रोग है।
-हेली बर्टन

न्यूज गैलरी

अन्नामलाई ने पार्टी छोड़ी, भाजपा ने स्वीकार किया इस्तीफा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई का पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अन्नामलाई ने मंगलवार को नितिन नवीन से मिलकर अपना इस्तीफा सौंपा था, तभी से उन्हें मनाने की कोशिश चल रही थी। भाजपा लगातार दावा कर रही थी कि तमिलनाडु इकाई में पूरी एकता बनी *-शेष पृष्ठ दो पर*

शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनाव का आधार : ज्ञानेश कुमार

धर्मशाला (हि.स.)। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनाव का आधार है। शुद्ध मतदाता सूची में अनुपस्थित, डुप्लिकेट, मृत व विदेशी मतदाता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। साथ ही साथ भारत के वह नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और मतदान केंद्र के आसपास रहते हैं, उनका नाम सूची में अवश्य होना चाहिए। शुक्रवार *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम मंत्रिमंडल का विस्तार, 12 विधायकों ने ली शपथ

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रनोज पेगू, अशोक सिंघल, विश्वजीत दैमारी और असम गण परिषद (अगप) के केशव महंत सहित 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस विस्तार के साथ ही राज्य मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां *ज्योति-बिष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर* में आयोजित एक समारोह में विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गेरिटा, असम विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और राजग के कई विधायक उपस्थित थे। मंत्रिपरिषद में शामिल नए चेहरों में भाजपा के अश्विनी राय सरकार, नीलिमा देवी और सुशांत बरगोहाईं हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पिछली मंत्रिपरिषद में शामिल अगप नेता महंत को इस बार भी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है। शपथ लेने वालों में भाजपा के विधायक बिमल बोरा, जयंत मल्ल बरुआ, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और पीजूष हजारिका शामिल हैं। ये सभी नेता शर्मा की पिछली सरकार में मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। राय ने हिंदी में शपथ ली, जबकि शेष अन्य ने असमी भाषा में शपथ ली। अब असम मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित कुल 17 सदस्य हैं। इससे पहले चार अन्य मंत्रियों ने 12 मई को शपथ ली थी, जिनमें अगप के अतुल बोरा, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोड़ो तथा भाजपा की तरफ से अंजता नेउग और रामेश्वर तेली शामिल थे। नयी मंत्रिपरिषद में भाजपा के 13, अगप के दो और बीपीएफ से एक मंत्री शामिल हैं। नेउग और नीलिमा देवी मंत्रिपरिषद में दो महिला मंत्री हैं, तथा महिला मंत्रियों की संख्या पिछली मंत्रिपरिषद के समान ही है। विस्तारित मंत्रिपरिषद कई जातीय समुदायों और भौगोलिक क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। बराक घाटी से दो प्रतिनिधि, कौशिक राय और कृष्णेंदु पॉल हैं, जबकि बीपीएफ के बोड़ो और भाजपा के दैमारी बोडो समुदाय से हैं। पेगु जहां मिसिंग जनजाति से हैं, वहीं राय सरकार कोच राजबोंगशी जनजाति से और बरगोहाईं अहोम समुदाय से हैं। बरगोहाईं और बोरा जहां ऊपरी असम से हैं, वहीं सिंघल राज्य के उत्तरी भाग से, पीजूष हजारिका मध्य असम से और मल्ल बरुआ निचले असम से हैं। शर्मा ने 12 मई को चार मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। राज्य के विधानसभा चुनाव में राजग ने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट जीती थीं। इनमें भाजपा को 82 सीट मिली थीं, जबकि उसकी सहयोगी अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीट पर जीत दर्ज की थी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर असम में 1.02 करोड़ पौधे लगाए गए

गुवाहाटी। शुक्रवार को मनाए गए विश्व पर्यावरण दिवस पर असम में महज आठ घंटे में 1.02 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए, जिसे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के हरित प्रयासों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। असम की उद्यमी नारी शक्ति के नेतृत्व में किए गए इस प्रयास में महज 8 घंटे में लोगों द्वारा 1.02 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे हमारे हरित प्रयासों में एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है, शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में राज्य भर की महिलाओं को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा। मुख्यमंत्री द्वारा अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम भर में 35,34,746 पंजीकृत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों द्वारा कुल 1,02,35,632 पौधे लगाए गए। जिलों में, बरपेटा 5,54,666 पौधे लगाए जाने के साथ शीर्ष स्थान पर रहा, इसके बाद गोलाघाट (5,36,590), विश्वनाथ (5,36,000), नगांव (5,25,493) और धुबड़ी (5,12,193) का स्थान रहा। वहीं दूसरी ओर, डिमा हसाउ (उत्तरी कछार पहाड़ियों) में सबसे कम 30,981 पौधे लगाए गए। कामरूप जिले में 2,10,895 पंजीकृत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों ने 4,46,968 पौधे लगाए, जबकि कामरूप मेट्रो क्षेत्र में 33,729 स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा 69,248 पौधे लगाए गए। इससे पहले दिन में, शर्मा ने राज्य के एक करोड़ पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी अभियान के तहत गुवाहाटी स्थित अपने आवास पर रुद्राक्ष का पौधा लगाकर इस अभियान में भाग लिया था। हमारी नारी शक्ति से प्रेरित यह आंदोलन एक हरित और अधिक टिकाऊ असम के निर्माण में मदद करेगा, मुख्यमंत्री ने इस पहल का शुभारंभ करते हुए कहा था। वृक्षारोपण अभियान के साथ-साथ राज्य भर में विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। नलबाड़ी में क्षेत्रीय *-शेष पृष्ठ दो पर*

जालुकबाड़ी में भयावह आग, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी क्षेत्र में शुक्रवार तड़के लगी भयावह आग में एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। आग की चपेट में आने से चारों की जिंदा जलकर मृत्यु हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के सदस्यों को घर से बाहर निकलने तक का अवसर नहीं मिल सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। आग में दो आवासीय मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। *-शेष पृष्ठ दो पर*

विश्वनाथ स्थित नशामुक्ति केंद्र से 34 युवक फरार

विश्वनाथ। विश्वनाथ में एक नशामुक्ति केंद्र में इलाज करा रहे लगभग 34 युवक शुक्रवार सुबह कथित तौर पर वहां से भाग गए। यह घटना जिले के पुनर्वास केंद्रों में दुर्व्यवहार के कथित वीडियो सामने आने के एक दिन बाद हुई, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया था। यह घटना मधुपुर स्थित लाइव वेल नशामुक्ति केंद्र में घटी। खबरों के अनुसार, युवकों ने जबरन केंद्र से बाहर निकलकर शहर के विभिन्न हिस्सों में भाग निकले। हालांकि उनमें से कई लोगों को बाद में विश्वनाथ के विभिन्न स्थानों से ढूंढकर बचा लिया गया, लेकिन कई अन्य लोगों का पता अभी भी अज्ञात है। भागने वाले युवकों ने प्रबंधन के खिलाफ आरोप लगाते हुए दावा किया कि केंद्र में रहने के दौरान उन्हें लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा। मुन्ना हजारिका ने मुझे पहले पीटा था। उन्होंने मेरे हाथ पर लोहे की छड़ से वार किया था। हमें बहुत प्रताड़ित किया गया। सर्दियों में मुझे सोने के लिए सिर्फ एक कालीन दिया जाता था, युवकों में से एक ने आरोप लगाया। गौरतलब है कि दो दिन पहले, विश्वनाथ में अलग-अलग नशामुक्ति केंद्रों, जिनमें लाइव वेल रिहैबिलिटेशन सेंटर भी शामिल है, में दो युवाओं के साथ अमानवीय *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम कैबिनेट : राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी

गुवाहाटी (हि.स.)। विस्तारित असम मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक में शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए सरकार के विभिन्न फैसलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा विद्यालयों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए भी राहत भरी खबर है। पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति देकर तृतीय श्रेणी पदों पर नियुक्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। कैबिनेट ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि में भी बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। अब तक प्रति विधायक एक करोड़ रुपए की निधि उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपए किया जाएगा। वहीं अगले वर्ष अप्रैल से इसे बढ़ाकर दो करोड़ रुपए करने का भी निर्णय लिया गया है। बैठक में यह भी तय किया *-शेष पृष्ठ दो पर*

बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में आबादी के आयामों में बदलाव बर्दाश्त नहीं : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चेतावनी देते हुए कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में डेमोग्राफिक बदलावों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में आबादी के ढांचे में किसी भी तरह का अनुचित परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमित शाह त्रिपुरा के लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ के जवानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार की पहल पर विस्तार से जानकारी दी। गृह मंत्री ने बताया कि सरकार देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

हथियारबंद उग्रवादियों ने घात लगाकर गांव पर किया हमला, क्रॉसफायर में महिला समेत तीन की मौत

नई दिल्ली। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक आदिवासी बहुल गांव पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। हमलावरों ने गांव के कई घरों में आग भी लगा दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात समूह से जुड़े हथियारबंद कैडरों ने लोइबोल खुल्लेन गांव पर अचानक हमला बोल दिया। इस हमले का जवाब वहां मौजूद दूसरे हथियारबंद समूह ने जवाबी गोलीबारी से दिया। इसके बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच लगभग आधे घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। इस क्रॉसफायर की चपेट में आने से तीन ग्रामीणों की जान चली गई। मृतकों की पहचान लेतखोंगाम हाओकिप, उनकी पत्नी टिनमैरी हाओकिप और जांगमिनलाल *-शेष पृष्ठ दो पर*

टूट के बाद भी नरम नहीं हुए ममता के तेवर, अभिषेक पर जताया भरोसा

80 में से केवल 8 एमएलए और 6 एमपी ही मीटिंग में पहुंचे

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस टूट की कगार पर खड़ी है। शुक्रवार को ममता बनर्जी ने पार्टी में बगावत के बीच विधायकों, सांसदों और पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई, लेकिन बैठक में तृणमूल कांग्रेस के 80 विधायकों में से केवल आठ विधायक और चार सांसद ही पहुंचे। वहीं, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ पार्टी नेताओं में असंतोष के बावजूद पार्टी ने उन पर ही भरोसा जताया। पार्टी की बैठक में अभिषेक बनर्जी के फिर से राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया, हालांकि डोला सेन और डेरेक ओ ब्रायन उनकी मदद करेंगे और ममता पार्टी की चेयरपर्सन बनी रहेंगी। चंद्रिमा भट्टाचार्य *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा विवाद गरमाया बीएसएफ- बीजीबी ने फ्लैग मीटिंग की

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। बांग्लादेश ने दावा किया है कि भारत ने चार जून को 28 लोगों को बांग्लादेश की सीमा में धकेलने की कीशिश की। बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा कि चापईनावाबगंज के गोमास्तापुर उपजिला के बंगाबाड़ी बॉर्डर इलाके में भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की इस कोशिश को उसने विफल कर दिया। प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी और जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाली इस अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाते हुए बीजीबी ने कहा है कि किसी भी अवैध घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस विषय पर गुरुवार दोपहर बंगाबाड़ी बॉर्डर पर बीजीबी और बीएसएफ के बीच औपचारिक बातचीत (फ्लैग मीटिंग) हुई। दोनों पक्षों ने कहा कि इस मुद्दे पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर इसका समाधान निकाला जाएगा। बैठक के बाद बीजीबी की 16वीं बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत के पड़ोस में जल्द बन सकता है नया देश

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी म्यांमार से रखाइन प्रांत को स्वतंत्र करने की घोषणा कभी भी हो सकती है। दरअसल, अराकान आर्मी ने रखाइन को अलग करने की लड़ाई को तेज कर दिया है। राजधानी सिटवे को अराकान के लड़ाकों ने घेर लिया है और इस लड़ाई को आखिरी बड़ी लड़ाई बताया है। अगर राजधानी सिटवे पर अराकान आर्मी का कब्जा हो जाता है तो विद्रोही समूह रखाइन को अलग देश बनाने की घोषणा कर देंगे। स्थानीय अखबार के मुताबिक अराकान आर्मी ने पहले ही 17 में से 14 इलाके पर कब्जा कर लिया है। अब बचे 3 इलाकों पर कब्जे की उसकी तैयारी है। अराकान सेना ने चीन के सिटवे के आसपास डेरा डाल दिया है। उसकी कोशिश सिटवे *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

पिछले वित्त वर्ष में 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही (चौथी तिमाही) में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। यह प्रदर्शन बाजार के अनुमान से बेहतर माना जा रहा है। आंकड़े जारी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारत की विकास गति मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण है।

हम जंग खत्म करने के लिए तैयार, बशर्ते यूक्रेन को करने होंगे समझौते : पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस, यूक्रेन के साथ शांति समझौते के लिए तैयार और इच्छुक है। लेकिन इसके लिए कीव को कुछ *समझौते* करने होंगे। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव के संदर्भ में कही। पुतिन ने साथ ही यह भी कहा कि रूसी सेना जंग के मैदान में लगातार आगे बढ़ रही है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बातचीत की। पुतिन ने कहा कि रूस अपनी वायु रक्षा को मजबूत कर रहा है, ताकि यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब दिया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी लोगों की देशभक्ति और इच्छाशक्ति उनके लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। इसी बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पुतिन को एक खुला पत्र लिखा। जेलेंस्की ने दोनों नेताओं के बीच सीधी बैठक की अपील की, ताकि युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म किया जा सके। जेलेंस्की ने कहा, शांति तभी संभव है जब दोनों देश सीधे बातचीत करें। उन्होंने पूर्ण युद्धविराम की भी मांग की। क्रेमलिन ने पुष्टि की कि उसे यह पत्र मिल गया है। पत्रकारों से बातचीत में पुतिन ने कहा कि रूस उन प्रस्तावों के आधार पर समझौते के लिए तैयार है, जिन पर ट्रंप के साथ अलास्का के एंकोरेज में हुई बैठक में चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा कि रूस उन समझौतों को मानने को तैयार है। लेकिन यूक्रेन को भी इन्हें स्वीकार करना होगा, तभी संघर्ष जल्दी खत्म हो सकता है। पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूसी सेना ने हाल ही में करीब 2440 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है और कई मोर्चों पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लुहांस्क क्षेत्र करीब पूरी तरह रूस के नियंत्रण में है, डोनेत्स्क का 85 फीसदी और जापोरिज्जिया का करीब 80 फीसदी हिस्सा भी रूस के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन चाहता है कि रूस अपनी सैन्य कार्रवाई रोक दे। लेकिन बेहतर होगा कि युद्ध को पूरी तरह खत्म करने के लिए आपसी समझौता किया जाए। पुतिन के अनुसार रूसी सेना हर मोर्चे पर आगे बढ़ रही है। पुतिन ने यूरोपीय संघ (ईयू) की मध्यस्थता की भूमिका को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जिन देशों ने रूस को रणनीतिक रूप से हराने की बात की है, उन पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अगर ईयू बातचीत करना चाहता है, तो रूस के दरवाजे इसके लिए पूरी तरह बंद नहीं है। लेकिन वह हथियार भेजने के बजाय यूक्रेन को समझाने की कोशिश करे। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यूक्रेन में चुनाव होंगे या नहीं। उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की की वैधता पर भी टिप्पणी की। हालांकि, यूक्रेन में मार्शल लॉ के कारण चुनाव स्थगित हैं। पुतिन ने पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को ड्रोन और हथियार देने का आरोप लगाया और कहा कि कुछ ड्रोन रूस के अंदर तक हमला कर सकते हैं। उन्होंने रूस की ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी जिक्र किया और कहा कि इसे अभी तक यूक्रेन पर पूरी तरह इस्तेमाल नहीं किया गया है, केवल परीक्षण के तौर पर इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल बड़े शहरों में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में जिनेवा, अबू धाबी और इस्तांबुल में हुई बैठकों के बाद भी शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पाई है और 2022 में शुरू हुए युद्ध के बाद स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन ने यह भी कहा कि आर्थिक आकार के मामले में ब्रिक्स बहुत पहले ही जी-7 को पीछे छोड़ चुका है और आने वाले वर्षों में यह अंतर और बढ़ने वाला है। इससे एक दिन पहले पुतिन ने अमेरिका को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि रूस के साथ जब भी सहयोग की बात आती है, पश्चिम भारत पर दबाव डालने की कोशिश करने लगता है। लेकिन हर कोई जानता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक और नामुमकिन है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में आम चुनाव के फैसले पर भारत ने जताया विरोध

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत सरकार ने पाकिस्तान से 7 जून को तथाकथित *गिलगित-बाल्टिस्तान असेंबली* के लिए *आम चुनाव* कराने की योजना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि चुनाव गैर-कानूनी और जबरदस्ती कब्जा किए गए भारतीय क्षेत्र में कराये जा रहे हैं। भारत सरकार ने अपने पुराने रुख को दोहराया है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का संपूर्ण क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। 1947 में इनका भारत में पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय हो चुका है।

रास चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे ने नामांकन दाखिल किया

बेंगलुरु (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। राज्यसभा चुनाव 18 जून को होना है। नामांकन दाखिल करने के दौरान केसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद सहित अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे। शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित विधान सौधा में एआईसीसी अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक रूप से राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी को पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का एकजुट समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। सभी विधायक और पार्टी के नेताओं ने मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना है। मैं उनके विश्वास और समर्थन के लिए उनका आभारी हूं। खड़गे ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत को लेकर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर राहुल का ऑनलाइन अभियान, युवाओं से विरोध की अपील

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक बार फिर *ग्रेट निकोबार* द्वीप का मुद्दा उठाया और एक वीडियो जारी कर सरकार पर आरोप लगाया कि 72 हजार करोड़ रुपए की इस परियोजना से पर्यावरण को नुकसान होगा। राहुल ने आरोप लगाया कि परियोजना से 1.5 करोड़ पेड़ नष्ट होंगे, प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुंचेगा, समुदायों का विस्थापन होगा। इसमें आईएनएस बाज़ (संयुक्त सेवा कमान का हवाई अड्डा) जैसे वास्तविक रक्षा ढांचे के उन्नयन की उपेक्षा की जा रही है। इससे एक व्यवसायी को लाभ होगा। वे यहां होटल और कैसीनो बनाएगा। राहुल ने एक्स पर कहा कि कोई भी लाभ हमें उसे नष्ट करने से रोकता है जिसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। मैं पारिस्थितिक रूप से संतुलित विकास का समर्थक हूं। ये द्वीप दुनिया के सबसे असाधारण टिकाऊ पर्यटन स्थल बन सकते हैं। यही वह भारत है जिसके लिए संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विश्व पर्यावरण दिवस पर वे हर युवा भारतीय से एक सवाल पूछना चाहते हैं कि आप किस तरह का भारत विरासत में पाना चाहते हैं? राहुल ने साथ ही एक ऑनलाइलन कैंपेन भी शुरु किया जिसमें वे कह रहे हैं- याचिका पर हस्ताक्षर करें।

अरुणाचल में चार उच्चस्तरीय समितियां गठित, घुसपैठ, जनजातीय सुरक्षा की करेगी जांच

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य सरकार ने घुसपैठ रोकने, इनर लाइन परमिट (आईएलपी) व्यवस्था को मजबूत करने, अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्रों के पुन: सत्यापन और स्थानीय जनजातीय अधिकारों की सुरक्षा के लिए चार उच्चस्तरीय समितियों का गठन किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 और 29 मई को उनकी अध्यक्षता में हुई बैठकों में पारित प्रस्तावों के आधार पर ये समितियां बनाई गई हैं। इन बैठकों में आदिवासी अधिकारों, अरुणाचल प्रदेश अनुसूचित जनजाति (एपीएसटी), आईएलपी व्यवस्था और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई थी। इन समितियों में विभिन्न सामाजिक संगठनों, छात्र संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। घुसपैठ और अवैध प्रवास से जुड़े मामलों की समीक्षा के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्री वांगकी लोवांग की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है। यह समिति राज्य में घुसपैठ और अवैध प्रवास की स्थिति का अध्ययन करेगी। साथ ही सीमा सुरक्षा, बायोमेट्रिक और डिजिटल सत्यापन प्रणाली को मजबूत करने के उपाय सुझाएगी। समिति फर्जी पहचान पत्रों और अवैध बस्तियों के नेटवर्क पर कार्रवाई के लिए भी सुझाव देगी। इसे अपनी पहली बैठक के छह महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपनी होगी। आईएलपी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए कृषि एवं बागवानी मंत्री गेब्रियल डी. वांगसू की अध्यक्षता में दूसरी समिति गठित की गई है। यह समिति आईएलपी जारी करने, निगरानी और सत्यापन की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करेगी। साथ ही वर्ष 2026 के दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर सुधार संबंधी सुझाव देगी। समिति तकनीक आधारित आईएलपी प्रणाली विकसित करने और पर्यटकों, आगंतुकों तथा श्रमिकों के लिए उपयुक्त श्रेणियां तय करने के सुझाव भी देगी। एपीएसटी प्रमाणपत्रों के पुन: सत्यापन के लिए शिक्षा मंत्री पसांग दोर्जी सोना की अध्यक्षता में तीसरी समिति बनाई गई है। यह समिति प्रमाणपत्र जारी करने और सत्यापन की वर्तमान प्रक्रिया की समीक्षा करेगी। साथ ही मजबूत सत्यापन प्रणाली, डिजिटल और बायोमेट्रिक जांच तथा सुरक्षा उपायों की सिफारिश करेगी। समिति फर्जी या अवैध तरीके से प्राप्त एपीएसटी प्रमाणपत्रों के खिलाफ कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई के सुझाव भी देगी। चौथी समिति कानून मंत्री केंटो जिनी की अध्यक्षता में गठित की गई है। यह समिति गैर-एपीएसटी वंशावली दावों और स्थानीय अधिकारों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच करेगी। समिति जनजातीय अधिकारों के संरक्षण से जुड़ी मौजूदा व्यवस्था का अध्ययन करेगी। साथ ही उन कमियों की पहचान करेगी, जिनका दुरुपयोग कर जनजातीय अधिकार हासिल किए जाते हैं। यह समिति जनजातीय पहचान, उत्तराधिकार, भूमि संरक्षण और आरक्षण लाभों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक उपाय सुझाएगी। सरकार ने सभी चार समितियों को विभागों और जिला प्रशासन से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने का अधिकार दिया है। सभी समितियों को अपनी पहली बैठक के छह महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.266PSC/CON/Exam-03/2026-2027

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 5th June, 2026, the results of the recruitment to the post of **Lecturer, Education in College of Teacher Education (C.T.E.) under the Directorate of SCERT, Assam,** advertised vide No. 18/2024 dated 06/09/2024.

The interviews for the said posts were conducted by the Commission in collaboration with Experts deputed by the Govt. of Assam on 3rd, 4th & 5th June, 2026. The Commission recommended the following candidate for the said post, in order of merit :

1. **Name of Post** : **Lecturer, Education in College of Teacher Education (C.T.E.)**
Total No. of post : **2** (RFW : I)
Break-up : OC : 2 (RFW : I)

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against Vacancy
1	70056	MOITRAYEE DUTTA	OBC	F	OPEN CATEGORY
2	70085	SALMIN ABIDA	GEN	F	OPEN CATEGORY

● Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-26/6-Jun-26

पृष्ठ एक का शेष

विश्व पर्यावरण दिवस पर...

वन कार्यालय ने स्कूलों, सरकारी कार्यालयों और संगठनों को पौधे वितरित किए। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर 1,500 से अधिक पौधे वितरित किए गए, और प्राप्तकर्ताओं से आग्रह किया गया कि वे पौधों की देखभाल करें ताकि दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित हो सकें। हाजो में स्वयंसेवी संगठनों ने हाजो हायर सेकेंडरी स्कूल में लगभग 1,000 पौधे वितरित किए और लगाए। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण और सतत जीवन शैली पर केंद्रित जागरूकता गतिविधियां भी शामिल थीं। इसी बीच, चिरांग में, भारत-भूटान सीमा के पास रायपुर के देवसरी में विश्व पर्यावरण दिवस का एक केंद्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिरांग के उपराज्यपाल कुंजन बसुमतारी ने 5 जून से 17 सितंबर के बीच बिजनि और सिदली उपमंडलों में दस लाख पौधे लगाने का लक्ष्य घोषित किया। बीटीसी प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी ने लोगों से वनों की कटाई रोकने का आग्रह किया और कहा कि वन भूमि का और अधिक विनाश बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मोहिलारी ने कहा कि जो हो गया सो हो गया, लेकिन अब जंगलों का और विनाश बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमें हर संभव तरीके से वन क्षेत्रों की रक्षा करने का निर्देश दिया गया है। वन संरक्षण प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने निवासियों से वृक्षारोपण अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने और क्षेत्र के जंगलों और पर्यावरण की रक्षा में योगदान देने का आह्वान किया।

जालुकबाड़ी में भयावह ...

पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नुकसान का आकलन करने और घटना की विस्तृत जांच के लिए संबंधित विभागों की टीम मौके पर मौजूद है।

विश्वनाथ स्थित नशामुक्ति...

व्यवहार को दर्शाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे, जिससे व्यापक जन आक्रोश फैल गया था। घटना के बाद, समाज कल्याण विभाग ने विश्वनाथ चारियाली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने लिव वेल नशामुक्ति केंद्र से जुड़े राजा शाह को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरा मालिक मुन्ना हजारिका फरार है। केंद्र के मालिकों की अनुपस्थिति में, सुविधा केंद्र के अंदर की स्थिति कथित तौर पर और भी खराब हो गई। युवाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें पर्याप्त भोजन या आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही थीं। जिन परिस्थितियों को उन्होंने असहनीय बताया, उनका सामना करते हुए, युवाओं ने अंतत: शुक्रवार की सुबह केंद्र से भागने का फैसला किया। पुलिस फिलहाल बचाए गए युवाओं के माता-पिता और अभिभावकों के संपर्क में है और उनकी सुरक्षित घर वापसी के लिए व्यवस्था कर रही है। इस घटना ने पुनर्वास के नाम पर संचालित नशामुक्ति केंद्रों के कामकाज, निगरानी और जवाबदेही के बारे में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विश्वनाथ पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और वे इस मामले में अपनी पूछताछ जारी रखे हुए हैं।

हथियारबंद उग्रवादियों ने ...

हाओकिप के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस अचानक हुए हमले और भारी गोलीबारी के बाद गांव में दहशत फैल गई। अपनी जान बचाने के लिए डरे-सहमे ग्रामीण अपने घरों को छोड़कर भाग गए और पास के जंगली इलाकों में शरण ली। हमलावरों ने गांव में कम से कम सात घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए। इसके अलावा, ग्रामीणों की संपत्तियों को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तुरंत प्रभावित इलाके के लिए रवाना कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और दोषियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। राज्य में कुकी आदिवासी समुदाय की शीर्ष संस्था, कुकी इनपी मणिपुर ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है और घटना की तुरंत जांच कर दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। केआईएम के सचिव जांघाओलुन हाओकिप ने एक बयान जारी कर कहा कि निर्दोष लोगों की जानबूझकर की गई हत्या और उनके घरों व आजीविका को नष्ट करना मानवीय गरिमा और मौलिक मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने आगे कहा कि नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना और उनके घरों को तबाह करना किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता। केआईएम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है और लोइबोल खुल्लेन गांव के प्रभावित निवासियों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। कुकी संगठन ने भारत सरकार और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों से इस घटना की तुरंत गहन जांच शुरू करने, अपराधियों को पकड़ने और जल्द से जल्द न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही, संगठन ने अधिकारियों से संवेदनशील गांवों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने और निर्दोष नागरिकों पर आगे ऐसे हमलों को रोकने की मांग की है।

टूट के बाद भी नरम ...

को तृणमूल पश्चिम बंगाल का अध्यक्ष बनाया गया है। माला रॉय महिला तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। वहीं, सयानी घोष को तृणमूल युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रियंका चौधरी को स्टूडेंट काउंसिल का प्रेसिडेंट बनाया गया है और तृणमूल ट्रेड यूनियन का अध्यक्ष मलय घटक बनाया गया है। कुणाल घोष को पार्टी का राज्य प्रवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी और डेरेक ओर ब्रायन को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। पार्टी की बैठक में 8 विधायक और 6 सांसद ममता बनर्जी के घर पहुंचे। विधायकों में बीना मंडल, आशिमा पात्रा, मदन मित्रा, कुणाल घोष, फिरहाद हकीम, सोभनदेब चट्टोपाध्याय, बिमान बनर्जी और अशोक कुमार देब शामिल थे, जबकि सांसदों में डोला सेन, माला रॉय, कल्याण बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओ'ब्रायन और सुदीप बंद्योपाध्याय शामिल थे। बैठक के बाद सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि हमने तय किया है कि स्पीकर की ओर से नियुक्त विपक्ष के नेता का पद गैर-कानूनी है। हम इसके खिलाफ सोमवार को कोर्ट जाएंगे। हम हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा जिस तरह से टीएमसी कार्यकर्ताओं की हत्या कर रही है और उन पर झूठे केस दर्ज कर रही है, हम उसके खिलाफ लड़ेंगे। हम सड़कों पर भी लड़ेंगे और कोर्ट में भी। बता दें कि विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद टीएमसी में बगावत शुरू हो गयी है। 58 विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है और विधानसभा अध्यक्ष ने उनको मान्यता भी दे दी है। पराजय के बाद विधायकों की तर्ज पर सांसदों में भी बगावत शुरू हो गयी है। दावा है कि टीएमसी के 20 सांसद बगावत कर सकते हैं। इस बीच, ममता बनर्जी ने डैमेज कंट्रोल शुरू किया है और पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली है और पार्टी संगठन में फेरबदल की है। पार्टी के विधायक अभिषेक बनर्जी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन ममता ने अभिषेक को पार्टी का नेशनल जनरल सेक्रेटरी बनाए रखा। राजनीनितक विश्लेषकों का कहना है कि मुश्किल हालात में भी अभिषेक बनर्जी को पद पर बनाए रखकर ममता बनर्जी एक बार फिर यह साबित करना चाहती हैं कि उनका अपना रास्ता ही सही है। हालांकि, अभिषेक के साथ-साथ डोला और डेरेक को भी ऑल इंडिया जॉइंट जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। कुणाल घोष का कहना है कि हमारे ऑल इंडिया जनरल सेक्रेटरी का काम का बोझ बहुत बढ़ रहा है। इसलिए, उनकी मदद के लिए हमारी नेशनल वर्किंग कमेटी से दो और जॉइंट सेक्रेटरी बनाए गए हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच ...

मोहम्मद आरिफुल इस्लाम मासूम ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। कमांडर ने बताया कि इससे पहले बुधवार तड़के बीएसएफ के जवानों ने 28 लोगों को बांग्लादेश में धकेलने की कोशिश की थी। बीजीबी के विरोध के कारण यह कोशिश नाकाम रही। इन 28 लोगों में 12 पुरुष, 10 महिलाएं और 6 बच्चे शामिल हैं। वे फिलहाल सीमा पर जीरो लाइन (नो मैन्स लैंड) पर रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन 28 लोगों को किसी भी हाल में बांग्लादेशी सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा। कमांडर आरिफुल इस्लाम ने बताया कि बंगबाड़ी सीमा के कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां से लोगों को धकेलकर अंदर भेजना अपेक्षाकृत आसान होता है। बीएसएफ के जवान ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने सीमा पर पहले से ही अपनी चौकसी और सतर्कता बढ़ा दी है। बताया गया है कि इस संवेदनशील मुद्दे पर आठ से 11 जून के बीच नई दिल्ली में दोनों देशों के महानिदेशक स्तर की बैठक होने वाली है। बैठक में सीमा पर तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है।

बंगाल, त्रिपुरा और बिहार ...

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में आबादी के आयामों में बदलाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। शाह ने आगे कहा कि *स्मार्ट बॉर्डर* प्रोजेक्ट अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस परियोजना के तहत देश के सात-आठ स्थानों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। इन पायलट प्रोजेक्ट्स के सफल क्रियान्वयन के बाद पूरे देश में सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से मजबूत बनाया जाएगा। बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने उनकी सेवा और बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात जवान देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति हैं और सरकार उनकी सुविधाओं और आधुनिक उपकरणों के लिए लगातार काम कर रही है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूर्वोत्तर राज्यों समेत पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और अवैध घुसपैठ को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। गृह मंत्री का यह सख्त रुख केंद्र सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराता है।

असम कैबिनेट : राज्य ...

गया कि आगामी एक अगस्त से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिलना शुरू होगा। बजट पारित नहीं होने के कारण कई विकास योजनाओं का कार्य प्रभावित था, लेकिन आगामी बजट सत्र के बाद इन योजनाओं को गति दी जाएगी। राज्य सरकार ने डिब्रूगढ़ को असम की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए खर्च करने की मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए गठित दूसरी राजधानी क्षेत्र प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में प्रशांत फूकन को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नवगठित मंत्रिमंडल के मंत्रियों के विभागों का अंतिम आवंटन अगले सात दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। साथ ही शनिवार को जिला अभिभावक मंत्रियों की जिम्मेदारियों की भी घोषणा किए जाने की संभावना है। सरकार का मानना है कि इन निर्णयों से कर्मचारियों के कल्याण, प्रशासनिक दक्षता तथा राज्य के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

भारत के पड़ोस में ...

पर कंट्रोल की है। 2009 में अराकान जाति (बौद्ध) ने रखाइन को अधिक प्रशासनिक अधिकार देने की मांग को लेकर आंदोलन किया। इसी साल अराकान आर्मी का गठन किया गया। रखाइन बांग्लादेश और म्यांमार सीमा के पास स्थित एक प्रांत है। यहां पर 2016 के बाद विद्रोह भड़क उठा। अराकान आर्मी के लोगों ने पहले यहां के रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ नरसंहार की शुरुआत की। आबादी के लिहाज से रोहिंग्या यहां पर अल्पसंख्यक थे। अराकान आर्मी के कारण यहां से रोहिंग्या समुदाय को पलायन करना पड़ गया। इसी बीच म्यांमार की सरकार गिर गई और सेना ने उसे कंट्रोल में ले लिया। इसके बाद अराकान आर्मी ने यहां पर विद्रोह तेज कर दिया। शुरुआत में एयरस्ट्राइक के कारण अराकान आर्मी जुंटा सेना के सामने हारती नजर आई, लेकिन बाद में उसने इलाके में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। अब अराकान आर्मी की मांग रखाइन को अलग राज्य बनाने की है। अराकान सेना के कमांडर-इन-चीफ टुन म्यात नाइंग ने 2027 तक *पूरी तरह मुक्त अराकान* का लक्ष्य घोषित किया है। नाइंग का कहना है कि उनकी सेना सैन्य रूप से इतनी मजबूत हो जाएगी कि म्यांमार की सेना को क्षेत्र छोड़कर भागना पड़ेगा। स्थानीय अखबार इरावाडी के मुताबिक सिटवे के आसपास अराकान आर्मी ने सैन्य टैंकरों और रसद आपूर्ति को रोकने के लिए बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। 29 मई से 1 जून के बीच सिटवे के निकट जुंटा सेना और अराकान आर्मी के बीच भीषण झड़प हुई, जिसमें जुंटा के 40 सैनिक मारे गए। अब तक अराकान आर्मी म्यांमार सेना की एयर स्ट्राइक के सामने अपेक्षाकृत कमजोर पड़ रही थी, लेकिन लड़ाकों ने हाल के महीनों में ड्रोन और कंधे से दागी जाने वाली मिसाइलें हासिल कर ली हैं। इसके चलते म्यांमार की जुंटा सेना को हवाई हमले करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अन्नामलाई ने पार्टी ...

हुई है और पूर्व राज्य अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने न तो इस्तीफा दिया है और न ही कोई नई राजनीतिक पार्टी बनाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन अब उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है। मंगलवार को दिल्ली पहुंचे अन्नामलाई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। अमित शाह ने अन्नामलाई को केंद्रीय संगठन की ओर से पूरी तरह से सहयोग और प्रदेश नेताओं को स्पष्ट निर्देश जारी किये जाने का भरोसा दिया दावा किया गया कि भाजपा से इस्तीफा देने पर अड़े अन्नामलाई अमित शाह से मिलने के बाद नरम पड़ गए हैं। ये भी चर्चा थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद ही वे इस्तीफे को लेकर अंतिम फैसला करेंगे। 4 जून को अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले चेन्नई की प्रमुख सड़कों और इलाकों में उनके समर्थन में पोस्टर लगाए गए थे। पोस्टरों पर *हमारे नेता, आइए और हमारा नेतृत्व कीजिए* जैसे नारे लिखे गए थे। बता दें कि पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे और इन्होंने 2021 से 2025 तक पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान, वह राज्य में पार्टी के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक बनकर उभरे।

शुद्ध मतदाता सूची ही ...

को धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मुख्य आयुक्त ने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए, साथ ही अपात्र लोगों के लिए चुनावी सूची में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने देश व हिमाचल प्रदेश के सभी मतदाताओं को आभार जताते हुए कहा कि जब भी चुनाव हो वह अपना वोट डालने जरूर जाएं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव का पर्व हम सबके लिए गर्व का विषय है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि वह वीरभूमि कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश में चुनाव आयोग के रिव्यू के लिए विशेष रूप से पहुंचे हैं। हिमाचल चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त, बूथ लेवल के चुनाव अधिकारियों के साथ भी संवाद करने का मौका मिल रहा है। साथ ही देवभूमि हिमाचल प्रदेश जिला कांगड़ा व धर्मशाला के विभिन्न प्रमुख स्थलों में भ्रमण करने का भी मौका मिल रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने धर्मशाला दौरे के दौरान एचपीसीए स्टेडियम से युवा मतदाता जागरूकता साइकिल रैली *पेडल फॉर डेमोक्रेसी* को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से युवाओं को मतदाता पंजीकरण, मतदान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने, मतदान के अधिकार का प्रयोग करने तथा अन्य नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली में युवाओं, विद्यार्थियों, खेल प्रेमियों तथा एसएसबी सपडी के जवानों ने भाग लिया।

राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां ज्योति-विष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में मंत्रिपरिषद को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल श्री आचार्य ने अश्विनी राय सरकार, अशोक सिंघल, बिमल बोराह, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्लाबरुवा, कौशिक राय, केशव महंत, कृष्णेंदु पॉल, नीलिमा देवी, पीयूष हजारिका, डॉ. रानोज पेगू और सुशांत बोरगोहेन को शपथ दिलाई; ये वे 12 विधायक थे जिन्होंने मंत्री के तौर पर शपथ ली। गौरतलब है कि इससे पहले 12 मई को शपथ लेने वाले मंत्रियों में अतुल बोरा, चरण बोरो, अजंता नियोग और रामेश्वर तेली शामिल थे।

गृहमंत्री ने त्रिपुरा के लंकामुरा बीओपी का दौरा किया और सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को रोकने का संकल्प लिया

अगलतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित भारत के सीमावर्ती राज्यों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को रोकने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दोहराया। भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित लंकामुरा सीमा चौकी (बीओपी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय परिवर्तन बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। यह हमारा दृढ़ संकल्प है। बीएसएफ और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के

कर्मियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, गृह मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण प्रयासों, विशेष रूप से वृक्षारोपण गतिविधियों में उनकी भागीदारी की प्रशंसा की। उन्होंने कह ति मुझे खुशी है कि सीएपीएफ और बीएसएफ के सभी जवान पेड़ को अपना भाई, बहन या बच्चा मानकर अत्यंत श्रद्धा से उसकी देखभाल कर रहे हैं। यह सरकारी आदेशों से प्रेरित कार्यक्रम नहीं होना चाहिए; यह हमारी स्वाभाविक आदत होनी चाहिए। यही स्वाभाविक आदत हमें बचा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि हमारी सुरक्षा के लिए स्थापित बीएसएफ चौकी को बनाने में कितने पेड़ काटे गए, और उससे कहीं अधिक पेड़ लगाना हमारी जिम्मेदारी है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, शाह ने लंकामुरा सीमा चौकी पर *अगरवुड* का एक पौधा भी लगाया। केंद्रीय गृह मंत्री ने अगरतला के कुंजबन में एक भव्य विरासत होटल परियोजना की आधारशिला भी रखी। इस होटल का उद्देश्य ऐतिहासिक पुष्पबंता पैलेस को विश्व स्तरीय विरासत आतिथ्य स्थल में परिवर्तित करना है। टाटा समूह की आतिथ्य सेवा शाखा, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के प्रबंधन के तहत इस महल को एक लग्जरी होटल के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा। इस पुनर्विकास परियोजना से त्रिपुरा के पर्यटन क्षेत्र को मजबूती मिलने, शाही महल के स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करने और राज्य में रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इसी बीच, अमित शाह का गोमती जिले के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का निर्धारित दौरा रद्द कर दिया गया क्योंकि खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

मोरान-मोटक समूहों ने कैबिनेट की उपेक्षा के विरोध में 48 घंटे का बंद लागू किया

जोरहाट। असम मंत्रिमंडल में 12 नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह से पहले, शुक्रवार को तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ जिलों में जनजीवन ठप्प हो गया क्योंकि मोरान और मोटक समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों ने 48 घंटे के बंद का आह्वान किया था। संगठनों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार दो आदिवासी समुदायों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही है और मंत्रिमंडल विस्तार में एक बार फिर उनकी अनदेखी की है। हिमंता विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार आज मंत्रिमंडल का विस्तार कर रही है। एक बार फिर, मोरान और मोटोक समुदायों की अनदेखी की गई है, क्योंकि इन दोनों समुदायों से एक भी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। चुनाव से पहले हमारे लोगों से कई वादे किए गए थे, लेकिन वे वादे पूरे नहीं हुए हैं, ऑल मोरान स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष पोलिंद्रा बोराह ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि इस निरंतर उपेक्षा के विरोध में, हमने तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ जिलों में 48 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सुबह 5 बजे शुरू हुए बंद ने पूरे जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। प्रदर्शनकारियों को कई स्थानों पर टायर जलाते और सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए देखा गया, साथ ही वे मोरान और मोटोक समुदायों के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग कर रहे थे। कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही ठप हो गई, जबकि पूरे व्यावसायिक शहर में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बोराह ने सरकार से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की लंबे समय से लंबित मांग को संबोधित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम कई वर्षों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन यह मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। सरकार ने बार-बार उम्मीदें जगाई हैं, लेकिन अपने वादों को पूरा नहीं किया है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मेघालय के री-भोई में एक सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया

शिलांग। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि दूरदराज और कम सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक उन्नत चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मेघालय के री-भोई जिले में एक अस्पताल का उद्घाटन करते हुए नड्डा ने ये टिप्पणियां कीं और कहा कि यह नई सुविधा राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने और चिकित्सा परिणामों में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने मेघालय जैसे पहाड़ी राज्य में एक आधुनिक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना को एक ऐतिहासिक उपलब्धि और क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एआरएचआई अस्पताल के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं विधायक अलेक्जेंडर हेक का धन्यवाद करता हूं और इस उल्लेखनीय पहल से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं, नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल न केवल एक स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में कार्य करेगा बल्कि उन लोगों के लिए आशा का स्रोत भी बनेगा जो अपने घरों के करीब गुणवत्तापूर्ण उपचार की तलाश कर रहे हैं। मंत्री के अनुसार, विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए रोगियों को राज्य से बाहर यात्रा करने की आवश्यकता को कम करने में ऐसे संस्थान महत्वपूर्ण हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने असम में विदेशी घोषित महिलाओं के निर्वासन पर लगाई रोक

गुवाहाटी। शुक्रवार को आई खबरों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने असम में एक विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए जाने के बाद हिरासत में ली गई दो महिलाओं के संभावित निर्वासन पर रोक लगा दी है। सालेहा खातून और सरभानु बेगम के रूप में पहचानी गई ये दोनों महिलाएं मार्च 2026 से ग्वालपाड़ा नजरबंदी केंद्र में बंद हैं, जबकि उनके विदेशी होने के वर्गीकरण को कानूनी रूप से चुनौती दी जा रही है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आदेश पर रोक लगाते हुए असम सरकार, केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया है। पीठ ने इन सभी से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। अदालत ने निर्देश दिया

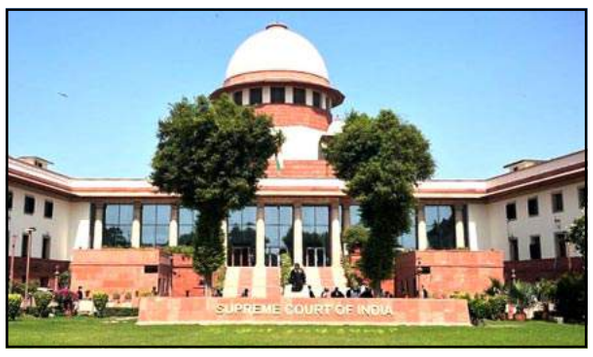

कि यदि दोनों महिलाएं हिरासत में रहती हैं तो अगली सुनवाई तक उन्हें निर्वासित नहीं किया जाना चाहिए। *यदि वे हिरासत में हैं, तो उन्हें अगली तारीख तक निर्वासित नहीं किया जाएगा,* पीठ ने टिप्पणी की। सर्वोच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई तक दोनों बंदियों के निर्वासन पर रोक लगा दी है। यह मामला चार महिलाओं द्वारा दायर अलग-अलग याचिकाओं से संबंधित है, जिनमें सभी ने असम में विदेशी न्यायाधिकरणों के उन आदेशों को चुनौती दी है जिनमें उन्हें *विदेशी* घोषित किया गया था। गिरफ्तार किए गए दो लोगों के अलावा, बसीरन नेसा और मुस्त नुजेरा बेगम ने भी निर्वासन के डर से सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, सलेहा खातून को 30 अगस्त, 2018 को दरांग जिले के मंगलदाई स्थित विदेशी न्यायाधिकरण (5वें) द्वारा विदेशी घोषित किया गया था। इस आदेश को बाद में 5 दिसंबर, 2025 को गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया था। इसी तरह के एक मामले में, सरभानु बेगम को 13 दिसंबर, 2018 को विदेशी घोषित कर दिया गया था, और गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने 9 दिसंबर, 2025 को न्यायाधिकरण के फैसले की पुष्टि की। उन्होंने दावा किया कि यह निर्णय उनके दस्तावेजों में उनके नाम की वर्तनी में विसंगति के आधार पर लिया गया था। अपनी याचिकाओं में, महिलाओं ने तर्क दिया कि उन्होंने चुनावी अभिलेखों और एनआरसी के पुराने आंकड़ों के माध्यम से 1971 से पहले के भारतीय पूर्वजों से अपने संबंध को साबित करने वाले दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायाधिकरणों ने नामों और अभिलेखों में मामूली विसंगतियों के आधार पर उनके दावों को खारिज कर दिया और रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों का ठीक से मूल्यांकन करने में विफल रहे। गिरफ्तार महिलाओं की ओर से पेश होते हुए वकील फुजैल अहमद अय्यूबी ने कहा कि उनकी मुवक्किलों को अधिकारियों द्वारा निर्वासित किए जाने का डर है, क्योंकि उन्हें पहले ही हिरासत में रखा जा चुका है।

राज्यभर में सरकारी-गैरसरकारी व विभिन्न संगठनों ने मनाया पर्यावरण दिवस

कोकराझाड़/बंगाईगांव/नगांव/रंगिया (विभास/निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस (53वें संस्करण) के उपलक्ष्य में आज कोकराझाड़ के बिशमुरी में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 135 इको टास्क फोर्स और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटे, बंगाईगांव के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नयन कुमार बरुवा, कार्यकारी निदेशक, आईओसीएल उपस्थित रहे। वहीं, कर्नल डेविड खोजोल, कमांडिंग ऑफिसर, 135 इको टास्क फोर्स की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर लगभग 200 लोगों ने भाग लिया, जिसमें आईओसीएल के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी, सेना के जवान, आईटीबीपी के कार्मिक और स्थानीय स्कूली बच्चे शामिल थे। उपस्थित सभी लोगों ने प्रकृति को हरा-भरा रखने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य है। यह संयुक्त प्रयास स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में शामिल हुए बच्चों में भी पर्यावरण के प्रति गहरा उत्साह देखने को मिला। दूसरी ओर आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर 135 ईटीएफ (टीए), बीटीसी प्रशासन, आईओसीएल (आईओसीएल) बंगाईगांव और स्थानीय स्कूलों ने मिलकर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता दोहराई। बिश्मुरी में वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम दिन की शुरुआत सुबह 7 बजे बिश्मुरी और आसपास के क्षेत्रों में एक उत्साही *संयुक्त वृक्षारोपण अभियान* के साथ हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया और धरती को हरा-भरा बनाने के लिए 500 पौधे रोपे। इसके अलावा, सतत जीवन शैली और अपशिष्ट प्रबंधन पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। वहीं, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल द्वारा आयोजित एक अन्य मुख्य कार्यक्रम में, 135 ईटीएफ ने चिरांग वन प्रभाग के तहत रनिखाता वन सर्कल में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मेगा कार्यक्रम बीटीसी के प्रमुख श्री हाग्रामा मोहिलारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीटीसी के कई अधिकारी, अतिरिक्त पीसीसीएफ, डीएफओ के साथ-साथ स्थानीय बोड़ो और वनवासी आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 5, 000 लोग शामिल हुए। प्रकृति के संरक्षण का संदेश फैलाते हुए 135 ईटीएफ और एसएफडी द्वारा प्रतिभागियों के बीच 10, 000 पौधों का वितरण किया गया। इस आयोजन ने न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि सुरक्षा बलों, सरकारी संस्थाओं और आम जनता के बीच एकता का भी अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। **बंगाईगांव** से खबरों के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा तथा मारवाड़ी युवा मंच बंगाईगांव जागृति शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 5 जून को विवेकानंद केंद्र विद्यालय, बंगाईगांव परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों शाखाओं के अध्यक्ष क्रमश गोविंद अग्रवाला एंव दीपाली अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। छात्रों और शिक्षकों के सहयोग से भी विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए, उन्होंने विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने दोनों शाखाओं द्वारा विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा के सचिव धीरज शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मारवाड़ी युवा मंच द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से बताया। वृक्षारोपण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई तथा विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच जूस, चॉकलेट एवं पेंसिल का वितरण भी किया गया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह एवं खुशी देखने को मिली। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बंगाईगांव शाखा के उपाध्यक्ष मोती श्यामसुखा, सचिव धीरज शर्मा, सहसचिव अजय भीमसरिया एंव रोहित बंसल, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश कोठारी, पूर्व अध्यक्ष सरजित सिंह भारी, मनीष लखोटिया, पीयूष सुराणा एवं पोषक सदस्य महेश कुमार अग्रवाल तथा जाग्रति शाखा की कार्यकारणी सदस्य नीलम अग्रवाल, नीलू अग्रवाल का सक्रिय सहयोग रहा। सभी ने मिलकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों के लिए प्रेरणादायक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा द्वारा मारवाड़ी हिन्दी हाई स्कूल, नगांव में वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मेलन के आजीवन सदस्य एवं सलाहकार राधारमण खाटुवाला द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य किशोर देव तथा शाखा के उपाध्यक्ष गोपाल पौद्दार द्वारा विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश जाजोदिया का फुलाम गमछा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन करने के साथ हुआ। इस अवसर पर संचालन समिति के उपाध्यक्ष सुनील आलमपुरिया का भी सम्मान किया गया। शाखा अध्यक्ष प्रमोद कोठारी ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य किशोर देव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। शाखा उपाध्यक्ष गोपाल पौद्दार ने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया तथा घोषणा की कि आज वितरित किए जा रहे पौधों की जो विद्यार्थी सर्वश्रेष्ठ देखभाल करेंगे, उनमें से तीन विद्यार्थियों को क्रमश: 1, 000, 700 एवं 500 की प्रोत्साहन राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी। इसके पश्चात मंलडीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, शाखा अध्यक्ष प्रमोद कोठारी, सचिव विजयराज किल्ला, कोषाध्यक्ष बालकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल पौद्दार व जगदीश धूत, पूर्व अध्यक्ष व लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ललित कोठारी, संगठन मंत्री दिलीप शोभासरिया, सह सचिव सारंग खाटुवाला तथा सदस्य राधारमण खाटुवाला, प्रदीप जाजोदिया, महेश पौद्दार, महेश भजनका, अनुप पौद्दार, विकाश कुहाड़, ओम प्रकाश जाजोदिया, सुनिल आलमपुरीया सहित अन्य सदस्यों ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच 100 पौधों का वितरण किया। साथ ही विद्यालय परिसर में 5 पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन सारंग खाटुवाला ने किया। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की गई तथा शिक्षकों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। पौधों, चॉकलेट एवं अल्पाहार की संपूर्ण व्यवस्था कार्यक्रम संयोजक गोपाल पौद्दार द्वारा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार एवं मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही तथा सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मुहिम के तहत शाखा की सदस्याओं ने स्थानीय किडजी वाटिका स्कूल जाकर वहां विभिन्न प्रकार के लाभकारी एवं छायादार पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के इस विशेष कार्यक्रम में किडजी वाटिका स्कूल की अध्यक्षा मोनिका अग्रवाल सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और गैर-शिक्षण कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और इस मुहिम में अपना सहयोग दिया। इसके साथ ही, बच्चों और आम जनता में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से संस्था की ओर से स्कूल परिसर की साफ-सफाई करवाई गई तथा स्कूल की दीवार पर प्रकृति बचाओ, जीवन बचाओ का स्लोगन भी लिखवाया गया, ताकि बचपन से ही बच्चों में प्रकृति के प्रति जुड़ाव पैदा हो सके। इसके अलावा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक के खिलाफ कदम उठाते हुए शाखा की सदस्याओं ने स्थानीय बाजार और विभिन्न दुकानों में जाकर कपड़े के बैग (थैले) वितरित किए। सदस्याओं ने दुकानदारों और आम राहगीरों को प्लास्टिक बैग का पूरी तरह से बहिष्कार करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों को समझाया कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, इसलिए रोजमर्रा के जीवन में कपड़ों के बैग का ही इस्तेमाल करें ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम का संचालन पायल लुंडिया और सुषमा सिकरीया और पायल अग्रवाल ने किया। वहीं शाखा की अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल, सचिव संगीता सिकरिया सहित सुमन अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल और गुंजन लुंडिया आदि सदस्याओं का सक्रिय एवं सराहनीय योगदान रहा। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार हर साल की तरह इस बार भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर होजाई जिले के वरिष्ठ नागरिक संघ के आह्वान पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों ने व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। होजाई सदर वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन, राधानगर क्षेत्रीय वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन, 1 नंबर काकी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन, दलपुखुरी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन और 2/3 नंबर काकी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सान्निध्य में क्षेत्र के बुजुर्गों ने सार्वजनिक स्थानों पर पौधे रोपकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। सुबह से ही प्रतिकूल मौसम के बावजूद जिले के विभिन्न हिस्सों में वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में एकत्र हुए और उत्सवपूर्ण वातावरण में पौधे लगाए। इस अवसर पर जागरूकता सभाओं का भी आयोजन किया गया तथा कई प्राकृतिक-हितैषी सदस्यों को सम्मान पत्र प्रदान कर उनकी भागीदारी की सराहना की गई। होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा और सचिव अनुप कुमार बरठाकुर ने संबंधित शाखा सम्मेलनों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

संपादकीय

ट्रंप का 'जबरन मजदूरी' टैरिफ

अब अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 'जबरन मजदूरी' के वैश्विक पैरोकार बनना चाहते हैं। उनके निशाने पर भारत समेत 54 देश ऐसे हैं, जो बंधुआ अथवा जबरन मजदूरी से बनाए गए सामान के आयात रोकने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत 'टंरपवादी टैरिफ' को 'अवैध' करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर 'व्यापारी' हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ चलेकना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में 'जबरन मजदूरी' प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक 'जबरन श्रम' से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्ठों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में 'जबरन मजदूरी' का चलन है। हालांकि भारत में बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की व्यवस्था भी है, लेकिन उन स्थितियों से अमरीका पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह अमरीका की समस्या नहीं है, लेकिन टैरिफ के लिए ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं और कोई भी दलील दे सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने नए टैरिफवाद के लिए एक और क्षेत्र चुन लिया है। बंधुआ-बाल मजदूरी या पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलामी के संदर्भ में अमरीका ने कौन से ठोस और कारगर प्रयास किए हैं? दरअसल इस 'जबरन मजदूरी' टैरिफ का प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ 'द्विपक्षीय व्यापार समझौते' की 99 फीसदी रूपरेखा तय की जा चुकी है। यह पुष्टि केंद्रीय उद्योग-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी की है। अंतिम 1 फीसदी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को लगता है कि 'जबरन श्रम' टैरिफ के जरिए अमरीका अनधिकार चेष्टा कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के घाटे और नुकसान की भरपाई अब एक और टैरिफ के माध्यम से करना चाहते हैं। उस थोपे हुए, फिजूल, नाकाम युद्ध पर अमरीका के 100 अरब डॉलर फूंके जा चुके हैं! बेशक यह सच है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'जैसे को तैसा टैरिफ' के जरिए 214 अरब डॉलर कमाए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद अमरीका को 165 अरब डॉलर वापस रिफंड करने पड़े। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप विचलित नहीं हुए। 'जबरन टैरिफ' से इतना लगाव है कि उन्होंने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ थोपने का प्रस्ताव तैयार कराया है। दूसरी ओर कनाडा, पाकिस्तान, मैक्सिको, इंडोनेशिया आदि कुछ देश ऐसे बताए गए हैं कि जो 'जबरन श्रम' वाले सामान का आयात नहीं करते अथवा बहुत कम करते हैं। उन पर अमरीका 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। वह किसी को छोड़ने वाला नहीं है, क्योंकि उन्हें अमरीका की अर्थव्यवस्था को संतुलित करना है। अमरीकी अमरीका का दोगलापन देखिए कि 'जबरन श्रम' के संदर्भ में उसने दुर्लभ खनिज, कुछ और धातुओं, कॉफी, फार्मा, विमान के कुछ हिस्से आदि के क्षेत्रों को छूट दे रखी है। कोबाल्ट की खदानों में जो शोषण जारी रहा है, यदि अमरीका को अनुकूल लगता है या उसमें फायदा होता है, तो उस शोषण का भी स्वागत है। वाह! सुपरपॉवर अमरीका! बहरहाल अभी तो प्रस्ताव रखा गया है। अभी भारत समेत 54 देशों पर लागू किया जाना शेष है। सुनवाई का समय 22 जून तय किया गया है, लेकिन अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे साफ हैं। यह अमरीका की धमकी भी हो सकती है, ताकि भारत से व्यापार समझौते में कुछ और रियायतें हासिल की जा सकें। भारत को 'अमरीकी ब्लैकमेल' के सामने झुकना नहीं चाहिए और प्रस्तावित टैरिफ का सख्ती से जवाब देना चाहिए। ट्रंप को समझना मुश्किल है।

अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत 'टंरपवादी टैरिफ' को 'अवैध' करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर 'व्यापारी' हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ चलेकना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में 'जबरन मजदूरी' प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक 'जबरन श्रम' से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्ठों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में 'जबरन मजदूरी' का चलन है।

भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी जिंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है।

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख

की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है। अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते। इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके। सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे। मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता।

देश दुनीया से

क्या जन प्रतिनिधि कानून से ऊपर है?

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आचरण, मर्यादा और संस्थाओं के प्रति सम्मान की एक सतत प्रक्रिया भी है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति उसके संविधान, कानूनों और संस्थाओं में निहित होती है। जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का सम्मान करते हुए कार्य करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब इन दोनों के बीच टकराव सार्वजनिक रूप से सामने आता है, तब यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं रह जाता बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रशासनिक स्वायत्तता और राजनीतिक संस्कृति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर देता है। हाल ही में हरियाणा के रोहतक में इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अर्जुन चौटाला और पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के बीच हुआ विवाद इसी प्रकार की बहस को जन्म देने वाला प्रकरण बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उसके बाद सामने आई प्रतिक्रियाओं ने इस घटना को केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहने दिया, बल्कि इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संस्थागत सम्मान के प्रश्न से जोड़ दिया है। भारत का लोकतंत्र जनप्रतिनिधियों को जनता की आवाज उठाने का अधिकार देता है। विरोध प्रदर्शन, धरना, ज्ञापन और आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। किसी भी सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि दायित्व भी है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों द्वारा आवाज उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र यह भी अपेक्षा करता है कि विरोध की अभिव्यक्ति शालीनता और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। जब जनप्रतिनिधि स्वयं उन सीमाओं को लांघने लगते हैं जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी वे दूसरों से अपेक्षित करते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्कृति को क्षति पहुंचती है। रोहतक की घटना में उपलब्ध वीडियो और सार्वजनिक रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि प्रदर्शन के दौरान विधायक और पुलिस अधीक्षक के बीच तीखी बहस हुई। वीडियो

में प्रयुक्त भाषा और संवाद की शैली ने व्यापक जनचर्चा को जन्म दिया। विवाद के बाद हरियाणा आईपीएस एसोसिएशन का सार्वजनिक रूप से सामने आना और पुलिस अधिकारी के समर्थन में बयान जारी करना इस मामले को और महत्वपूर्ण बना देता है। सामान्यतः प्रशासनिक संगठनों द्वारा राजनीतिक विवादों पर सार्वजनिक टिप्पणी कम ही देखने को मिलती है। ऐसे में जब एक पेशेवर संगठन अपने अधिकारी के समर्थन में खुलकर सामने आता है, तो यह संकेत देता है कि मामला केवल व्यक्तिगत असहमति तक सीमित नहीं माना जा रहा। यह सच है कि किसी भी घटना का अंतिम मूल्यांकन तथ्यों की निष्पक्ष जांच के बाद ही होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी व्यक्ति को केवल वायरल वीडियो या सोशल मीडिया के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। किसी भी पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। विधायक ने भी अपनी सफाई में कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी का अपमान करना नहीं था और विवाद परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ। लोकतांत्रिक न्याय की दृष्टि से इस पक्ष को भी सुना जाना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या कोई भी परिस्थिति किसी जनप्रतिनिधि को सार्वजनिक रूप से किसी अधिकारी के प्रति अपमानजनक भाषा प्रयोग करने का नैतिक अधिकार प्रदान कर सकती है? लोकतांत्रिक राजनीति में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। चुनावी विश्लेषण रिपोर्ट भारत की प्रशासनिक व्यवस्था संविधान द्वारा संचालित होती है। पुलिस अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी निर्वाचित नहीं होते, लेकिन वे राज्य की संस्थागत संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका कार्य कानून का निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होता है। दूसरी ओर जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं और जनहित के मुद्दों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। इन दोनों भूमिकाओं के बीच सहयोग और संवाद लोकतांत्रिक प्रशासन की आधारशिला है। यदि जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारियों को केवल अधीनस्थ मानने लगें या प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधियों को महत्वहीन समझने लगें, तो शासन व्यवस्था में संतुलन समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनों पक्षों के बीच सम्मानजनक व्यवहार अनिवार्य है। यह भी समझना होगा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों को विशेषाधिकार अवश्य प्राप्त होते हैं, लेकिन वे कानून से ऊपर नहीं होते। संविधान ने किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को यह अधिकार नहीं दिया है कि वह सार्वजनिक पद पर कार्यरत किसी अधिकारी के साथ अपमानजनक व्यवहार करे। जनप्रतिनिधि का पद सम्माननीय है, लेकिन यह सम्मान जिम्मेदारी के साथ जुड़ा हुआ है। जनता अपने प्रतिनिधियों से केवल राजनीतिक संघर्ष की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि वह उनसे संयम, शालीनता और आदर्श व्यवहार की भी उम्मीद करती है। जब कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक मंच पर अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, तो उसका प्रभाव केवल उस घटना तक सीमित नहीं रहता। वह समाज में एक संदेश भी देता है कि शक्ति और प्रभाव के आधार पर मर्यादाओं को दरकिनार किया जा सकता है। भारतीय राजनीति में दुर्भाग्यवश ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। समय-समय पर विभिन्न राज्यों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच टकराव की खबरें सामने आती रही हैं।

आप का नजरीया

गरीब मरीज पूछ रहा है— क्या मेरा जीवन इतना सस्ता है?

स्वास्थ्य व्यवस्था की असली परीक्षा अस्पतालों की इमारतों से नहीं, मरीज को समय पर मिलने वाले उपचार से होती है। दुर्भाग्य से, देश की चिकित्सा व्यवस्था के सर्वोच्च प्रतीकों में गिने जाने वाले एम्स भी अब लंबी प्रतीक्षा की समस्या से जूझ रहे हैं। एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है—इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन? एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हों, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है। विडंबना यह है कि इस व्यवस्था का सबसे बड़ा बोझ उसी वर्ग पर पड़ रहा है, जिसके नाम पर राजनीति सबसे अधिक होती है। आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति निजी अस्पताल में कुछ घंटों या दिनों में जांच करा लेता है, लेकिन मजदूर, किसान, छोटा व्यापारी और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह विकल्प अक्सर पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में उसके सामने दो ही रास्ते बचते हैं—कर्ज लेकर निजी जांच कराए या दर्द और आशंका के बीच सरकारी अस्पताल की लंबी प्रतीक्षा सहे। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी दर्पण है। स्वास्थ्य सुविधाएं आय से नहीं, आवश्यकता से तय होनी चाहिए, किंतु मौजूदा व्यवस्था में पैसे वालों को समय मिलता है और अभावग्रस्तों को इंतजार। लंबी वेटिंग लिस्ट वर्षों से बढ़ती मांग और अपर्याप्त संसाधन विस्तार की कीमत है। मरीजों का बोझ बढ़ता रहा, लेकिन डॉक्टरों, विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या लगभग वहीं ठहरी रही। कई सुपर-स्पेशियलिटी विभाग सीमित मानव संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि रेडियो डायग्नोसिस जैसे अहम विभाग पर्याप्त स्टाफ के अभाव में अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। परिणाम सामने है—संसाधन मौजूद हैं, पर सेवाएं नहीं; मशीनें हैं, पर समय पर जांच नहीं। प्रश्न यह है कि जब बढ़ती जरूरतें वर्षों से दिखाई दे रही थीं, तब उनकी तैयारी क्यों नहीं की गई? आखिर किस स्तर की चूक ने देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों को भी प्रतीक्षा के संकट में धकेल दिया? जब राजनीति का केंद्र तात्कालिक लोकप्रियता बन जाए, तब अस्पतालों की जरूरतें अक्सर हाशिये पर चली जाती हैं। यही कारण है कि मुफ्त योजनाओं और लोकलुभावन घोषणाओं पर अरबों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों की भर्ती, नई मशीनों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए संसाधनों का अभाव बताया जाता है। विडंबना यह है कि वोट के लिए खजाना खुल जाता है, पर जीवन बचाने के लिए बजट सीमित पड़ जाता है।

एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है—इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन? एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हो, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है।

कुछ अलग

एक नंबर के ईमानदार

वे एक नंबर के ईमानदार आदमी थे। किसी का कोई काम किए बिना कुछ नहीं लेते थे। उनके ऐसा भी नहीं था कि कोई कार्य करने का पहले पैसा दे। हां, इतना अवश्य था कि काम करवाने के बाद वे अपना हक छोड़ते नहीं थे। इसलिए उनके क्षेत्रों में इन्हीं कारणों से उन्हें एक नंबर का ईमानदार माना जाता था। नाम उनका मुक्तिदास और उम्र यही कोई पचास के आसपास। नगर निगम में काम करते थे। पद से बड़े नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी इसी ईमानदारी के आधार पर अच्छी-खासी धाक जमा रखी थी। ऊपर तक उनके हाथ थे। कानून को कभी हाथ में नहीं लेते, बल्कि कानून को वे भली प्रकार काम में लेते थे। वे अक्सर अपने 'क्लाइंट्स' को डराते रहते थे कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। कोई भी गलत काम करने वाला उससे बच नहीं सकता। ऐसी स्थिति से निजात पाने का रास्ता उनके पास है और जो उनके पास आता था तो कानून के हाथ बहुत छोटे हो जाते थे। मेरा भी एक बार उनसे सामना पड़ा। मेरे मकान के बराबर से एक आम रास्ता था। मुझे आम आदमी और आम रास्ता दोनों ही पसंद नहीं हैं। मेरे पास से आम आदमी गुजरे, यह मुझे गवारा नहीं था। नगर निगम गया तो वहां सभी ने एकमत होकर कहा कि मुक्तिदास जी को पकड़ो। मैंने मालूम किया कि वे कहां मिलेंगे। पता चला कि वे कैंटीन में मिल जाएंगे। कैंटीन में पहुंचा तो वे गरमा-गरम समोसे खाते हुए किसी को नेक सलाह दे रहे थे। मुझे देखकर बोले- 'आओ भाई बैठो, समोसे खाओगे। बड़े खस्ता हैं।' मैं बोला- 'नहीं समोसे का तेल गला पकड़ता है, इसलिए मैं समोसे नहीं खा पाऊंगा।' वे हंसकर बोले- 'क्या नाम है आपका। खैर जो भी हो, भाई समोसे का कोई तेल नहीं हुआ करता।

दृष्टि कोण

सत्ता के बिना तिनका-तिनका हुई टीएमसी

इंडिया गठबन्धन में ममता बैनर्जी को सबसे ताकतवर माना जाता था। वे अपने दम पर पिछले पन्द्रह साल से सत्ता पर काबिज थीं। उन्होंने बंगाल की शक्तिशाली पार्टी सीपीएम, जो लगातार पैंतीस साल से बंगाल पर एक छत्र राज कर रही थी, को पराजित किया था। कांग्रेस को बंगाल में धूल चटा दी थी। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में वे हार गईं। लेकिन हार का अर्थ यह नहीं कि सीपीएम और कांग्रेस की तरह वह शून्य पर सिमट गईं। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस को अस्सी सीटें प्राप्त हुईं। अभी भी संसद में उसके पास चालीस के आसपास सांसद हैं। लेकिन उसके पास इस बार केवल एक चीज छिन्न गई। ममता बैनर्जी इतने विधायक नहीं जिता पाईं कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री बन सकें। यह भी कोई अनोखी बात नहीं है। राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इसलिए राजनीति में इसे सामान्य घटना ही माना जाता है। आखिर कांग्रेस ही कितने साल से लगातार हार रही है। चार प्रदेशों को छोड़ कर वह किसी भी प्रदेश में सत्ता में नहीं है। केरल में दस साल बाद सीपीएम सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन पार्टी सामान्य तरीके से काम-काज कर रही है। पर तृणमूल कांग्रेस के मामले में बिल्कुल उलटा हो रहा है। सत्ता की डोर टूटते ही मानो भूकम्प आ गया हो। तृणमूल की कायनात हिल गई हो। जगह जगह नगरपालिकाओं से, पंचायतों से, नगर निगमों से तृणमूल के सदस्य ममता को अपने इस्तीफे भेज रहे हैं। यहां तक कि कोलकाता नगर निगम के महापौर हकीम साहिब ने भी ममता से क्षमा मांग कर महापौर के पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि निगम में तृणमूल का बहुमत अभी भी है। तृणमूल के जिन नेताओं ने सरकारी स्कीमों का लाभ देने के लिए लाभार्थियों से कट मनी (रिश्वत) ली थी, वे लाउडस्पीकर लगा कर सार्वजनिक रूप से वह वापस कर रहे हैं। जिन भवनों पर तृणमूल के लोगों ने वर्षों से बलपूर्वक कब्जा कर रखा था, वे स्वयं खाली कर रहे हैं। कोलकाता में पार्टी के एक प्रवक्ता ने, जो मीडिया में गाली गलौज की भाषा में धमकाता रहता था, उसने यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि यह उसे पार्टी के आदेश पर करना पड़ रहा था। ममता बैनर्जी को शायद इतने पर भी इस बात का

अंदाजा नहीं हो पाया कि बंगाल की आम जनता उनके कितनी खिलाफ है। दो दिन पहले उसने ऐलान कर दिया कि वे विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगी, जैसा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रायः करती रहती थीं। लेकिन उनके इस विरोध प्रदर्शन में जनता तो क्या, पार्टी के सांसद व विधायक भी नहीं पहुंचे। मीडिया और सुरक्षा बलों के लोग ज्यादा थे, आम जनता कम थी। जनता के आक्रोश की स्थिति यह हो गई कि पार्टी के नेताओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ममता बैनर्जी खुद कोर्ट पहुंची तो लोगों ने चोर चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, ममता बैनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि पार्टी की ओर से विधानसभा में विधायक दल का नेता शोवन देव चट्टोपाध्याय विपक्ष का नेता होगा। लेकिन पार्टी के अस्सी में से 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि उनका नेता ऋताब्रत होगा न कि चट्टोपाध्याय। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर ऋताब्रत को विपक्ष के नेता के तौर पर मान्यता दे दी। ममता ने लोकसभा में कल्याण मुखर्जी को पार्टी का नेता मनोनीत किया, लेकिन पार्टी की ही एक महिला सांसद ने अध्यक्ष को लिखा कि मुखर्जी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। लेकिन क्या कारण है कि पन्द्रह साल की सत्ता, संसद में चालीस सदस्य, विधानसभा में अस्सी विधायक, इस सबके बावजूद पार्टी ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर गई? दरअसल जब कोई पार्टी राजनीतिक न रह कर, सत्ता के बल पर केवल लूट-खसोट करने का गिरोह मात्र बन जाए, तो सत्ता का गोंद हटते ही उसका बिखरना स्वाभाविक ही है। किसी भी राजनीतिक दल में उसके सदस्य और समर्थक किसी विचारधारा के कारण संगठित होते हैं।

प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। योगी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शरारती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। योगी ने कटाक्ष किया कोई टोंटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को टोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में *उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान* संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष कलश में जल भी अर्पित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है यानी जीवन चक्र एक-दूसरे के साथ जुड़ा है। फिर भी हमने इसकी सर्वाधिक उपेक्षा की। 40 से ऊपर हर व्यक्ति महसूस करता है कि पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को दुनिया किस रूप में चुका रही है। 25 वर्ष पहले और वर्तमान मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया। भारत व उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। मौसम चक्र में अंतर से सर्वाधिक प्रभावित किसान होगा। उसकी आमदनी प्रभावित होगी, अतिवृष्टि-अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। असमय घटित होने वाली आपदाएं चेतावनी भी हैं। योगी ने कहा कि हमारे पूर्वजों व ऋषि परंपरा ने पर्यावरण के प्रति आगाह किया था। हम खुद को धरती मां का पुत्र कहते हैं। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने लक्ष्मण जी से कहा *अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी*। अर्थात लंका भले ही सोने की क्यों न हो, लेकिन मुझे यह अच्छी नहीं लगती। जिस मां ने जन्म दिया है, जहां हमने जन्म लिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन और कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व होना चाहिए। मां व मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। भगवान राम की कही गई बातें आज भी हर भारतीय के लिए प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भौतिक उपलब्धियां क्षणिक हैं। इनकी उपलब्धि तभी तक है, जब तक आप निरोग होकर आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के ग्रंथों का अवलोकन करें। भारत की परंपरा में हर जीव-जंतु के प्रति हमारे संबंध जोड़े गए हैं। भगवान शंकर के गले में सर्प और सवारी नंदी है। कार्तिकेय की सवारी मोर, गणपति की मूषक और मां भगवती की सवारी शेर है। हर कालखंड में बैल की पूजा और गोमाता को मान्यता दी गई है। वे कृषि प्रधान व्यवस्था का आधार हैं। सर्प को किसान मित्र के रूप में मान्यता दी गई है। यह जीवन चक्र आपस में जुड़ा है। उन्होंने कुकरैल वन क्षेत्र के शानदार प्राकृतिक वातावरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां और लखनऊ के तापमान में अंतर होता है। लखनऊ में 45 तो कुकरैल में तापमान 40 या उससे कम होगा। प्रकृति की गोद में जो भी आगे बढ़ेगा, वह आरोग्यता के लिए महत्वपूर्ण होगा। हमने कुकरैल से अवैध कब्जे हटाए। आज कुकरैल के किनारे लखनऊ का सबसे शानदार प्राकृतिक दृश्य *सौमित्र वन* भी दिख रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम *इंस्पायर्ड बाई नेचर फॉर क्लाईमेट फॉर अवर फ्यूचर* का जिक्र किया और कहा कि स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि व हरित वन मानव सभ्यता की जीवन रेखा हैं। जब प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानवता सुरक्षित रह पाएगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल व सबमर्सिबल की व्यवस्था हो गई है, लेकिन पहले कुआं खोदना पवित्र कार्य माना जाता था। दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ी के बराबर एक तालाब, दस तालाब के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है यानी वृक्ष का महत्व सर्वाधिक है। आज सरकारी व निजी नर्सरी में 55 करोड़ पौधे तैयार हैं। आज प्रदेश भर में *एक पेड़ मां के नाम* अभियान के तहत पांच करोड़ पौधे लग रहे हैं। अब जुलाई में महाभियान चलाएंगे और एक दिन में नागरिकों के साथ मिलकर 35 करोड़ पौधे लगाएंगे। योगी ने तालों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि हमने गोरखपुर में 1400 एकड़ में फैले रामगढ़ताल व 400-500 एकड़ में फैले चिलुआताल को संरक्षित किया है। ये नेचुरल वाटर बॉडी है। मुख्यमंत्री ने उन ग्राम प्रधानों की भी सराहना की, जिन्होंने ग्राम पंचायत में वेटलैंड या रामसर साइट्स के रूप में इसे आगे बढ़ाने में योगदान दिया है या उनके चिह्नीकरण व नोटिफिकेशन से जुड़े हैं।

भर्ती परीक्षा में नकल कर नौकरी पाने वाली लिपिक सरोज बिश्नोई सेवा से बर्खास्त

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कनिष्ठ सहायक,लिपिक ग्रेड-टू संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में नकल के जरिए चयनित हुई और वर्तमान में निलंबित चल रही लिपिक ग्रेड-वन सरोज बिश्नोई को तत्काल प्रभाव से राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। लगभग छह वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुकी इस कार्मिक को परीक्षा पास करने के लिए अनुचित साधनों के प्रयोग करने के कृत्य को राजस्थान सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लंघन मानते हुए सेवा से बर्खास्त किया गया है। आयोग द्वारा राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971 को इस कार्रवाई का आधार बनाया गया है। आदेश के अनुसार सरोज बिश्नोई में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में सत्यनिष्ठा का अभाव एवं अनैतिक रूप से जीवन जीना पाया , जो सेवा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। नियम 3 की अवहेलना: इस नियम के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय सेवक को हर समय उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा,कर्तव्यपरायणता बनाए रखनी होती है। सरोज बिश्नोई का कृत्य सर्वथा अशोभनीय पाया गया। जांच में प्रमाणित हुआ कि सरोज बिश्नोई ने परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए ब्लूटूथ डिवाइस जैसे अनुचित साधनों का सहारा लिया और इसके एवज में मुख्य आरोपी पौरव कालेर को अपने हस्ताक्षरशुदा चेक सौंपे, जो गंभीर कदाचार और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। विदित हो कि सरोज बिश्नोई का चयन कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित वर्ष 2018 की लिपिक भर्ती परीक्षा में ओबीसी वर्ग की मेरिट सूची में 17वें स्थान पर हुआ था, जिसके बाद उसने मार्च 2020 में आयोग में कार्यग्रहण किया था। तत्पश्चात गोपनीय सूत्रों से प्राप्त प्रामाणिक सूचना के आधार पर यह खुलासा हुआ कि उसे परीक्षा से पूर्व ही प्रश्नपत्र लीक के माध्यम से मिल गया था। आयोग की तत्परता और शिकायत पर स्पेशल आपरेशन ग्रुप ने प्राथमिकी दर्ज कर सघन जांच शुरू की। एसओजी की जांच में सामने आया कि पौरव कालेर नामक मुख्य आरोपी ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लीक पेपर हल करवाया था और परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ के माध्यम से सरोज बिश्नोई तक उत्तर पहुंचाए थे। आयोग ने *राजस्थान असैनिक सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958* के नियम 16 के तहत इस मामले में विभागीय जांच शुरू की थी। जांच प्रक्रिया के दौरान आरोपी कर्मचारी ने बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और व्यक्तिगत सुनवाई से बचने के कई बहाने बनाकर कार्यवाही को टालने का प्रयास किया। आरोपी लिपिक द्वारा यह विधिक दलील भी दी गई थी कि जब तक आपराधिक मामला न्यायालय में लंबित है, तब तक विभागीय जांच को रोका जाए, परंतु आयोग ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के स्थापित न्यायिक दृष्टांतों का हवाला देते हुए इस आपत्ति को सिरे से खारिज कर दिया कि प्रशासनिक शुचिता बनाए रखने के लिए विभागीय जांच और आपराधिक मुकदमा दोनों समानांतर रूप से चलाए जा सकते हैं। विभागीय जांच की कार्यवाही पर रोक लगवाने के उद्देश्य से सरोज बिश्नोई ने राजस्थान उच्च न्यायालय (जयपुर पीठ) में रिट याचिका दायर कर एसओजी की एफआईआर संख्या 35/2025 का हवाला दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने उसके तर्कों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

छपरा में कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस रिसाव से लोगों की तबीयत बिगड़ी

सारण (हिंस)। शहर के साढ़ा बाजार समिति के पास स्थित रामा कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस लीक होते ही आस-पास के घनी आबादी वाले इलाके में हड़कंप मच गया और लोग जान बचाने के लिए अपने घरों से निकलकर सड़कों पर भागने लगे। स्थानीय लोगों के मुताबिक जहरीली गैस के प्रभाव से अचानक लोगों की आंखों में तेज जलन, घबराहट और उल्टियां शुरू हो गईं। कई महिलाओं की तबीयत अत्यधिक बिगड़ने पर उन्हें तत्काल एम्बुलेंस के जरिए सदर अस्पताल भेजा गया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सदर नितेश कुमार और एएसपी राम पुकार सिंह पुलिस बल व फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीएम नितेश कुमार ने बताया कि अमोनियम गैस का रिसाव हुआ है। स्थिति को काबू में करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम पानी में विशेष केमिकल मिलाकर लगातार छिड़काव कर रही है।

एसवीएसयू पलवल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

पलवल (हिंस)। विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय पलवल के कौशल कृषि संकाय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव सुमन वशिष्ठ ने शुक्रवार को पौधारोपण करके किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलसचिव सुमन वशिष्ठ ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पृथ्वी के फेफड़े हैं तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना आवश्यक है। उन्होंने सभी उपस्थित जनों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में

कृषि संकाय के डीन डॉ. डी. वी. पाठक, डीन प्रोफेसर सुनील गर्ग, डीन प्रोफेसर सुरेश कुमार, डीन प्रोफेसर सुचित्रा वशिष्ठ, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. स्मिता, डॉ. तेजिंदर, डॉ. हेमंत कंबोज, ओएसडी संजीव तायल तथा अनिल सहित संकाय एवं स्टाफ के अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर कौशल कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कृषि फार्म में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा हरित एवं स्वच्छ परिसर के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लेने के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर *हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम* अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद् स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। हम सभी को राजस्थान को पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों का समर्पण भाव से निर्वहन करें और नईप पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसद मंजू शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

जयपुर घूमने आई युगांडा की युवती में मिले इबोला जैसे लक्षण, स्वास्थ्य महकमे में हलचल

जयपुर (हिंस)। युगांडा से जयपुर घूमने आई 19 वर्षीय विदेशी युवती में इबोला वायरस से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। फिलहाल संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। यह युवती शुक्रवार सुबह एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजाह होते हुए जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची थी। एयरपोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की नियमित मेडिकल स्क्रीनिंग के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की टीम ने उसे संदिग्ध श्रेणी में रखा। युवती की ट्रैवल हिस्ट्री युगांडा से जुड़ी होने और स्वास्थ्य संबंधी लक्षण मिलने पर उसे तत्काल विशेष प्रोटोकॉल के तहत आरयूएचएस अस्पताल भेजा गया। आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि युवती को बुखार,

सिरदर्द, पेट दर्द और भूख नहीं लगने जैसी शिकायतें थीं। प्रारंभिक जांच में इबोला संक्रमण जैसे कुछ लक्षण मिले हैं, लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसे इबोला नहीं माना जा सकता। संक्रमण की पुष्टि लैब रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। इलाज के लिए मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, सर्जरी, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, बायोकेमेस्ट्री सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। मरीज की निगरानी के लिए 24 घंटे डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। आरयूएचएस के प्रिंसिपल डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि युवती का एक सैंपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेज दिया गया है, जबकि दूसरा सैंपल 48 घंटे बाद भेजा जाएगा। दोनों जांच रिपोर्ट आने तक मरीज को क्वारंटाइन और आइसोलेशन में रखा जाएगा। यदि रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार 21 दिन तक निगरानी में रखकर उपचार किया जाएगा। डॉ. ग्रोवर ने बताया कि युवती को एयरपोर्ट से अस्पताल तक पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ लाया गया। किसी भी प्रकार के संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए विशेष बैरिकेडिंग और अलग कॉरिडोर का उपयोग किया गया। मरीज को आरयूएचएस के क्रिटिकल केयर ब्लॉक के इमरजेंसी आइसोलेशन क्षेत्र में भर्ती किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने युवती के साथ यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों की पहचान कर उन्हें भी एहतियातन स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यदि किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दस्त या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें। इबोला को लेकर लोगों में फैल रही आशंकाओं के बीच आरयूएचएस के प्रिंसिपल डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने स्पष्ट किया कि यह बीमारी हवा के माध्यम से नहीं फैलती है। उन्होंने कहा कि आमजन में यह गलत धारणा बन रही है कि संक्रमण वातावरण में फैल रहा है, जबकि वैज्ञानिक रूप से ऐसा नहीं है। डॉ. ग्रोवर के अनुसार संक्रमण का खतरा संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने, उसकी शारीरिक तरल पदार्थों, त्वचा, घाव या छींक-खांसी के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से होता है। इसलिए सामान्य परिस्थितियों में घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता जरूरी है। फिलहाल यह केवल संदिग्ध मामला है। पुणे स्थित एनआईवी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवती इबोला वायरस से संक्रमित है या नहीं।

खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज, पुलिस की जांच जारी

पटना (हिंस)। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक और कोचिंग संचालक खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कदमकुआं थाना में उनके खिलाफ हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज मामले के बाद पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है और जांच एजेंसियां मामले की विस्तृत पड़ताल में जुट गई हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला खान सर के सुरक्षा गार्डों के बयान के आधार पर दर्ज किया गया है। गार्डों ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि उन्हें गोली चलाने के लिए कहा गया था और आश्वस्त किया गया था कि आगे की स्थिति संभाल ली जाएगी। इसी बयान के आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खान सर की कोचिंग के बाहर सुरक्षा कर्मियों द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने के संकेत मिले हैं। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के सत्यापन के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हवाई फायरिंग की पुष्टि होने के बाद कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। इस बीच कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर पुलिस मुख्यालय और महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में पूरे मामले की समीक्षा की गई तथा स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्णय लिया गया। पुलिस

ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद खान सर की ओर से कानूनी तैयारी भी तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, उनके अधिवक्ता कोचिंग संस्थान पहुंचे और मामले के दस्तावेजों का अध्ययन किया। हालांकि, इस मामले में खान सर या उनके प्रतिनिधियों की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि 2 जून को खान सर ने स्वयं कोचिंग संस्थान के बाहर फायरिंग होने का आरोप लगाया था। हालांकि बाद में उन्होंने अपने बयान में संशोधन करते हुए कहा था कि कोचिंग के बाहर कुछ लोगों ने बैनर-पोस्टर फाड़े और मारपीट की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ज्ञानबिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों, वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी प्रमाणों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों का गहन परीक्षण कर रही है।

सारण पुलिस ने आठ वारंटी समेत 45 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सारण (हिंस)। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर अपराधियों और शराब माफियाओं के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। 24 घंटे के भीतर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 45 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इस विशेष कार्रवाई में पुलिस ने आठ वारंटी, शराब कारोबार में संलिप्त छह और शराब के सेवन मामले में 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, हत्या के प्रयास मामले में सात, चोरी, अवैध खनन और अन्य कांडों में एक एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है। अभियान के दौरान पुलिस ने 136.20 लीटर अवैध शराब 60 लीटर देशी और 76.20 लीटर विदेशी बरामद की है। साथ ही एक मोटरसाइकिल और एक ट्रैक्टर भी जब्त किया गया है।

सभी विभागों को पांच साल का रोडमैप बनाने के निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार अब विभागों की समीक्षा केवल बैठकों और फाइलों के आधार पर नहीं करेगी। निकट भविष्य में इसके लिए भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग अगले पांच वर्षों की अपनी कार्ययोजना और रोडमैप को विशेष रूप से तैयार किए गए एआई प्लेटफॉर्म पर अपलोड करें ताकि उनकी लगातार और व्यापक समीक्षा की जा सके। हरियाणा विजन-2047 के तहत आयोजित समीक्षा बैठकों के क्रम में मुख्यमंत्री ने यह संकेत दिया कि अब सरकारी कामकाज को अधिक लक्ष्य आधारित और परिणाम केंद्रित बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभाग केवल बड़े लक्ष्य तय करके न बैठें बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए सालाना और तिमाही स्तर की स्पष्ट कार्ययोजना भी तैयार करें। सरकार चाहती है कि हर विभाग यह बताए कि अगले 5 वर्षों में क्या हासिल करना है। हर वर्ष कौन-कौन से लक्ष्य पूरे होंगे। हर तिमाही कौन से काम पूरे किए जाएंगे। तय समयसीमा के अनुसार प्रगति कहां तक पहुंची। इस पूरी जानकारी को एआई आधारित सिस्टम पर अपलोड किया जाएगा ताकि प्रगति की निगरानी वास्तविक समय में हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि विभागीय समीक्षा बैठकों से पहले प्रगति रिपोर्ट समय पर उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी रिपोर्ट बैठक से दो दिन पहले उपलब्ध करवाएं ताकि समीक्षा केवल प्रस्तुतिकरण तक सीमित न रहे बल्कि पहले से अध्ययन करके काम की गुणवत्ता और परिणामों पर चर्चा हो सके।

अपर्णा यादव के आवास पहुंचकर राजनाथ सिंह ने स्व. प्रतीक को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (हिंस)। स्थानीय सांसद व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ में अपर्णा यादव के आवास पर पहुंचकर उनके पति स्व. प्रतीक यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राजनाथ सिंह ने अपर्णा यादव को ढांढस बंधाया और उनकी पुत्रियों से भी बात की। इससे पहले राजनाथ सिंह व्यापारी नेता स्व अशोक मोतियानी के आवास पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शिव शांति आश्रम साहिब के समर्पित सेवाधारी पूज्य स्व. दर्शन लाल के आवास पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित की। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में कैंट विधानसभा क्षेत्र की कैंट मंडल अध्यक्ष रूपा देवी के पति के निधन के बाद उनके आवास पहुंचकर पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर राजनाथ सिंह के साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजनाथ सिंह ने लखनऊ कैंटोमेंट क्षेत्र में पौधरोपण भी किया। चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,पूर्व मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह व भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत कई भाजपा नेताओं ने रक्षामंत्री का स्वागत किया। महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के अनुसार राजनाथ सिंह लखनऊ में तीन दिन रहेंगे। वह विधायक डॉ. नीरज बोरा के यहां चल रही श्रीराम कथा का भी श्रवण करेंगे।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या (हिंस)। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के चेयरमैन एवं नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने अपनी पत्नी निकिता पौडेल के साथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए। इस दौरान उन्होंने भारत और नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति एवं आपसी सद्भाव की कामना की। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने के राम मंदिर पहुंचने पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गोपाल राव, भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं एलएलसी सुभाष यदुवंश, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने के साथ उनकी पत्नी निकिता पौडेल के अलावा अन्य लोगों ने रामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। रामलला के दर्शन के बाद लामिछाने ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों को साझा संस्कृति, आस्था,

सभ्यता और परंपराएं जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की यात्रा उनके लिए अत्यंत आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव रही है। उन्होंने भारत और नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति एवं आपसी सद्भाव की कामना की। भाजपा के प्रदेश महामंत्री कहा कि वसुधैव कुटुंबकम्, शांति, सद्भाव और बंधुत्व हमारी संस्कृति और पहचान है। यही उन्नति और विकास का मूल मंत्र है। इसी भावना के साथ भारत और नेपाल के मध्य सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास निरंतर जारी हैं। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या भगवान श्रीराम की नगरी होने के साथ-साथ भारत-नेपाल के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का भी प्रमुख केंद्र है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि रामलला के दर्शन के लिए विश्व के विभिन्न देशों से श्रद्धालु अयोध्या आ रहे हैं। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री का आगमन भारत और नेपाल के पारंपरिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इससे पहले अयोध्या के एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं एलएलसी सुभाष यदुवंश, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त राजेश कुमार, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) बलरामाचारी दुबे, एडीएम प्रोटोकॉल, महंत गोपाल दास महामंत्री शैलेन्द्र कोरी सहित अनेक लोग भी मौजूद रहे।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार : संजय मल्होत्रा

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे होम और कार लोन महंगे नहीं होंगे तथा ईएमआई नहीं बढ़ेगी।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 3 दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की। मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने तटस्थ रुख को बरकरार रखते हुए चालू वित्त वर्ष की दूसरी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रखा। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच हमें भरोसा है कि हम चुनौतियों से पार पाते हुए और मजबूती से उभर कर निकलेंगे। उन्होंने कहा, "इस साल के लिए रियल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान अब 6.6 फीसदी है। पहले हमने 6.9 फीसदी का अनुमान लगाया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए 6.6 फीसदी, दूसरे के लिए 6.3 फीसदी, तीसरी के लिए 6.5 फीसदी और चौथी के लिए 6.8 फीसदी का अनुमान है।

हर दो महीने में एमपीसी की बैठक

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में छह सदस्य होते हैं। इनमें से तीन रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिजर्व बैंक की हर दो महीने में मौद्रिक समीक्षा की बैठक होती है। वित्त वर्ष 2026-27 में मौद्रिक समीक्षा समिति की कुल 6 बैठकें होंगी, पहली बैठक 6-8 अप्रैल, 2026 को हुई थी।

क्या होता है रेपो रेट

आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अक्सर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं यानी बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने अप्रैल महीने में एमपीसी की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से तटस्थ रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी की थी।

न्यूज ब्रीफ

दो नई एसयूवी पेश करने की तैयारी में टोयोटा

नई दिल्ली। जापानी वाहन निर्माता टोयोटा जल्द ही अपने ग्राहकों के लिए दो नई और आकर्षक एसयूवी पेश करने की तैयारी में है। हाल ही में इन दोनों गाड़ियों की परीक्षण के दौरान ली गई तस्वीरें सामने आने के बाद वाहन प्रेमियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। इन गाडियों में एक लोकप्रिय अर्बन क्रूजर हाइराइडर का सात सीटों वाला संस्करण होगा, वहीं दूसरी ओर प्रतिष्ठित फॉर्च्यूनर की नई पीढ़ी भारतीय सड़कों पर उतरने को तैयार है। टोयोटा अपनी सफल अर्बन क्रूजर हाइराइडर को अब बड़े परिवारों की जरूरतों के अनुरूप सात सीटों वाले रूप में पेश करने की योजना पर काम कर रही है, जिसके इस वर्ष के त्योहारी मौसम तक बाजार में आने की संभावना है। परीक्षण मौडलों से संकेत मिले हैं कि नई गाड़ी का पिछला हिस्सा अधिक लंबा होगा ताकि अतिरिक्त सीटों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सके। यह मौडल डेढ़ लीटर पेट्रोल इंजन के साथ उन्नत मिश्रित ऊर्जा प्रणाली में उपलब्ध होगा, जिसमें कुछ संस्करणों में चारों पहियों को शक्ति पहुंचाने वाली व्यवस्था भी मिल सकती है। इसकी कीमत लगभग 16 लाख रुपये से 24 लाख रुपये तक जा सकती है। वहीं, टोयोटा फॉर्च्यूनर की नई पीढ़ी वैश्विक स्तर पर अगले वर्ष मध्य तक प्रस्तुत हो सकती है, जबकि भारतीय बाजार में इसकी शुरुआत वर्ष के अंतिम महीनों में होने की उम्मीद है। नई फॉर्च्यूनर को पहले से अधिक आधुनिक, आकर्षक और तकनीक से भरपूर बनाया जाएगा। इसमें सामने की ओर नई प्रकाश व्यवस्था, बड़ी जालीदार ग्रिल और नया बंपर देखने को मिल सकता है।

माल ढुलाई के लिए टाटा और आयशर के ट्रक हो सकते हैं बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली। भारत में वर्तमान में माल ढुलाई की मांग में बढ़ोतरी और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की तेज रफ्तार के कारण ट्रक परिवहन व्यवसाय में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। भारी माल ढुलाई और लंबी दूरी के लिए भारतीय बाजार में टाटा और आयशर के ट्रक सबसे बेहतरीन विकल्पों में से एक माने जाते हैं, जो चालकों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सुरक्षा प्रदान करते हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क, नए एक्सप्रेसवे और बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों के कारण आने वाले महीनों में ट्रक परिवहन क्षेत्र और मजबूत हो सकता है। इससे देश की सप्लाई चेन को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। बाजार में उपलब्ध कुछ प्रमुख विकल्पों पर नजर डालते हैं- भारी माल ढुलाई के लिए टाटा प्रीमा 5530.एस, टाटा सिग्मा 5530.एस, अशोक लीलैंड 5525, भारत बेंज 5532टी और आयशर प्रो 6048 जैसे मौडल उत्कृष्ट माने जाते हैं। मध्यम श्रेणी के परिवहन के लिए टाटा अल्ट्रा टी.16, अशोक लीलैंड ईकोमेट 1615, आयशर प्रो 2114एक्सपी और भारत बेंज 1617 आर जैसे ट्रक विश्वसनीय साबित होते हैं। वहीं, छोटे वाणिज्यिक ट्रकों की श्रेणी में टाटा 407 गोल्ड एसएफसी, टाटा इन्ट्रा वी70, महिन्द्रा फ्यूरिओ 7 और अशोक लीलैंड दोस्त प्लस शहरी और आसपास के क्षेत्रों में माल परिवहन के लिए काफी लोकप्रिय है।

सुरक्षा खामियों के चलते मर्सिडीज-बेंज ने रिकौल की 99 इलेक्ट्रिक गाड़ियां

नई दिल्ली। अपनी उच्च श्रेणी की बैटरी चालित स्पोर्ट्स उपयोगी वाहन के 99 यूनिट्स को मर्सिडीज-बेंज इंडिया

ने वापस बुलाने का निर्णय लिया है। कंपनी ने यह कदम एक संभावित सुरक्षा खामी के चलते उठाया है। इन वाहनों के पहियों को सुरक्षित करने वाले बोल्ट निर्धारित सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं पाए गए हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी से चलती गाड़ी में पहिया ढीला होने का खतरा है, विशेषकर तेज गति पर, जिससे गंभीर सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। कंपनी ने उन विशिष्ट वाहनों की पहचान कर ली है, जिनका निर्माण जुलाई 2024 और अगस्त 2025 के बीच हुआ था, और उसने संबंधित मालिकों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। वाहन सुरक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि पहियों की मजबूती वाहन की स्थिरता और नियंत्रण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और ऐसे में किसी भी ढीलेपन से ड्राइविंग सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। हालांकि, वाहन उद्योग में निर्माता कंपनियों द्वारा सुरक्षा कारणों से गाड़ियां वापस बुलाना असामान्य नहीं है, क्योंकि वे छोटी से छोटी तकनीकी खामियों को भी गंभीरता से लेते हैं ताकि भविष्य में होने वाले बड़े हादसों को रोका जा सके। लग्जरी सेगमेंट में आने वाली यह बैटरी चालित स्पोर्ट्स उपयोगी वाहन देश के सबसे महंगे मौडलों में से एक है, जिसकी शुरुआती कीमत लगभग 3.10 करोड़ रुपये है।

फ्लिपकार्ट का नया दाव, अब भुगतान से होगी बंपर कमाई, आईपीओ से पहले मुनाफे और मार्जिन पर नजर

नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा ई-कौमर्स प्लेटफौर्म फ्लिपकार्ट अपने संभावित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव के तहत भुगतान और वित्तीय सेवाओं पर अपना जोर बढ़ा रहा है। वालमार्ट के स्वामित्व वाली यह कंपनी राजस्व के नए स्रोतों और बेहतर मार्जिन की तलाश में है, जिसके लिए वह भुगतान सफलता दरों में सुधार और व्यापक लौयल्टी कार्यक्रमों के विस्तार पर दाव लगा रही है। यह कदम एक परिपक्व उपभोक्ता इंटरनेट कारोबार के सामने आने वाले दबावों के बीच दोहरी जरूरत को दर्शाता है।

राजस्व वृद्धि का नया समीकरण फ्लिपकार्ट में पेमेंट्स और सुपरकौइन्स के उपाध्यक्ष गौरव अरोड़ा के अनुसार भुगतान अब कंपनी की वृद्धि के शीर्ष तीन या चार संचालकों में से एक बन गया है। भुगतान पूरा होने की दरों में हर एक प्रतिशत की बढ़ोतरी से सीधे तौर पर राजस्व वृद्धि भी उतनी ही बढ़ जाती है। कंपनी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जैसी तकनीकों के माध्यम से भुगतान अनुभवों को बेहतर बनाकर राजस्व बढ़ाने और लागत घटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। भारत का सबसे बड़ा लौयल्टी तंत्र बनाने की तैयारी फ्लिपकार्ट अपने सुपरकौइन्स लौयल्टी कार्यक्रम को भी व्यापक बना रहा है। अरोड़ा इसे फ्लिपकार्ट के अपने प्लेटफौर्म से आगे राइड-हेलिंग, विमानन और अन्य ज्यादा इस्तेमाल वाली श्रेणियों तक ले जाने पर काम कर रहे हैं। लक्ष्य भारत का सबसे बड़ा लौयल्टी तंत्र बनाना है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए एक एकीकृत और आकर्षक रिवौर्ड इकोसिस्टम तैयार हो सके। घटा घाटा, मजबूत हुई राजस्व वृद्धि आईपीओ से पहले कंपनी की वित्तीय सेहत भी मजबूत दिख रही है।

फ्लिपकार्ट इंटरनेट ने वित्त वर्ष 2025 में 20,493 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया, जो पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत अधिक है। नियामक सूचना के मुताबिक, शुद्ध घाटा भी 37 प्रतिशत कम होकर 1,494 करोड़ रुपये रह गया है, जो कंपनी की दक्षता और लाभप्रदता की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। फ्लिपकार्ट की कायम बादशाहत आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, देश का ई-कौमर्स बाजार वित्त वर्ष 2030 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 174 अरब डौलर से 214 अरब डौलर के बीच पहुंचने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह लगभग 70 अरब डौलर था। इस विशाल बाजार में, फ्लिपकार्ट की अनुमानित हिस्सेदारी 50 से 60 प्रतिशत है और वह 22 करोड़ से 24 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ बाजार में अग्रणी बनी हुई है।

बिक्री के मामले में मारुति रही नंबर-1, टाटा दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी ने एक बार फिर देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी का स्थान बरकरार रखा, जबकि टाटा मोटर्स ने लंबी छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उधर कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए हुंडई को पीछे छोड़ दिया। शीर्ष छह कंपनियों की सूची में टोयोटा और किआ भी शामिल रहीं। मई 2026 में मारुति सुजुकी ने 1.90 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक रही। कंपनी को सबसे ज्यादा 54 हजार से अधिक अतिरिक्त वाहनों की बिक्री का लाभ मिला। टाटा मोटर्स ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 59 हजार से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और 42 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हासिल की। महिंद्रा की बिक्री 58 हजार से अधिक रही, जिससे कंपनी को करीब 11 प्रतिशत की वृद्धि मिली। हुंडई ने भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की, हालांकि उसकी बिक्री महिंद्रा से कम रही। कंपनी ने लगभग 48 हजार वाहन बेचे और नौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की। वहीं, टोयोटा और किआ ने भी क्रमशः 30 हजार और 27 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री कर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। मासिक आधार पर भी अधिकांश कंपनियों की बिक्री में बढ़ोतरी देखने को मिली।

भारत को अमेरिकी शुल्क से बचने 24 जुलाई से पहले करना होगा व्यापार समझौता

नई दिल्ली

यूएसटीआर की रिपोर्ट में भारत की नीतियों पर सवाल, पाकिस्तान समेत 6 अन्य को कम शुल्क का फायदा

बंधुआ मजदूरी विवादः अमेरिका ने भारत समेत 56 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव किया

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय ने भारत, चीन, वियतनाम और ब्रिटेन सहित कुल 56 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। यह कदम एक विस्तृत जांच के निष्कर्षों के बाद उठाया गया है, जिसमें इन देशों पर तीसरे देशों से बंधुआ श्रमिकों द्वारा बनाए गए सामान के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप है। हालांकि, यह शुल्क तत्काल प्रभावी नहीं होगा, क्योंकि अमेरिका ने इस प्रस्तावित कार्रवाई पर 6 जुलाई तक जनता से राय मांगी है, जिसके बाद 7 जुलाई को इस मामले पर सुनवाई की जाएगी। यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट में विशेष रूप से भारत की नीतियों और प्रथाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि वे जबरन या बंधुआ मजदूरी से बने आयात पर प्रतिबंध लगाने में विफल रही हैं, जो अनुचित हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका भारत को यह भरोसा दे सकता है कि यदि दोनों पक्ष 24 जुलाई से पहले (जब मौजूदा 10 फीसदी का मूल शुल्क समाप्त हो रहा है) एक अंतरिम व्यापार समझौता कर लेते हैं, तो वह धारा 301 के तहत कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाएगा। यह प्रस्ताव 1974 के व्यापार कानून के सेक्शन 301 के तहत 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ की गई जांच का परिणाम है, जिसमें से आयात अमेरिका के कुल आयात का 99.4 फीसदी है। इसके अतिरिक्त यूएसटीआर ने पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मेक्सिको, कनाडा, इक्वाडोर और यूरोपीय संघ सहित छह अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर 10 फीसदी की कम दर से अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है। इन देशों को तीसरे देशों से बंधुआ मजदूरी से बने सामान के आयात को रोकने के लिए आंशिक व्यवस्था लागू करने का श्रेय दिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं से निश्चित मात्रा में कपड़ा और परिधान उत्पादों के आयात के लिए कम शुल्क दरों वाली एक विशेष व्यवस्था का प्रस्ताव भी किया है, जिसका विवरण अभी जारी नहीं किया गया है।

नई एडवेंचर टूरर बाइक एनएक्स 500 ई-क्लच लौन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई एडवेंचर टूरर बाइक एनएक्स 500 ई-क्लच लौन्च कर दी है। नई बाइक की सबसे बड़ी खासियत इसकी ई-क्लच तकनीक है, जिससे गियर बदलने के लिए बार-बार क्लच दबाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.44 लाख रुपये निर्धारित की है। कंपनी द्वारा विकसित ई-क्लच तकनीक में इलेक्ट्रौनिक एक्चुएटर्स का उपयोग किया गया है, जो गियर शिफ्टिंग और बाइक को रोकने या चलाने के दौरान क्लच का संचालन स्वतः करते हैं। हालांकि जरूरत पड़ने पर चालक मैनुअल तरीके से भी क्लच का उपयोग कर सकता है। इस तकनीक के कारण बाइक के वजन में केवल तीन किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है और इसका कुल वजन 199 किलोग्राम हो गया है। नई एनएक्स 500 ई-क्लच पुराने मौडल की तुलना में 1.11 लाख रुपये महंगी है। बाजार में इसका मुकाबला बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस ट्रौफी और कावासाकी वर्सिस 650 जैसी प्रीमियम एडवेंचर बाइकों से होगा। कंपनी का दावा है कि यह बाइक कम रखरखाव लागत और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जानी जाएगी।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में शुरुआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 210 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,250 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। दूसरी ओर, डाउ जौन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव के बीच मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जौन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 874.86 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की उछाल के साथ 51,561.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,584.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,830.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ

जौन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,518.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,360.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 93.87 अंक यानी 1.14 प्रतिशत उछल कर 8,244.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 149.01 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,944.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,075.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,505.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत टूट कर 5,053.36 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 383.78 अंक यानी 4.44 प्रतिशत लुढ़क कर 8,255.63 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 128.75 अंक यानी 2.20 प्रतिशत फिसल कर 5,711.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,050.69 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 66,420 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 432.30 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,245.16 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 206.40 अंक यानी 0.82 प्रतिशत टूट कर 25,047 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत घट कर 1,593.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फार्मूला-1 और लास वेगास के बीच 2037 तक करार अगले 10 वर्षों तक स्ट्रिप पर दौड़ेंगी रेस कारें

लास वेगास

फार्मूला-1 ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि प्रतिष्ठित लास वेगास ग्रां प्री अब 2037 तक आयोजित होती रहेगी। नए 10 वर्षीय विस्तार समझौते के तहत फार्मूला-1, लास वेगास ग्रां प्री इंक., क्लार्क काउंटी प्रशासन और लास वेगास कन्वेंशन एंड विजिटर्स अथारिटी (एलवीसीवीए) ने इस वैश्विक आयोजन के भविष्य को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित किया है।

2023 में फार्मूला-1 कैलेंडर में शामिल होने के बाद लास वेगास ग्रां प्री ने खुद को दुनिया के सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट आयोजनों में स्थापित किया है। लास वेगास स्ट्रिप के बीचोंबीच होने वाली यह रेस अब केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, व्यवसाय और पर्यटन का वैश्विक मंच बन चुकी है।

6.2 किलोमीटर लंबे लास वेगास स्ट्रिप सर्किट पर ड्राइवर 322 किमी प्रति घंटे (200 मील प्रति घंटा) से अधिक की रफ्तार से दौड़ते हैं। यह ट्रैक बेलाजियो, सीज़र्स पैलेस, विन लास वेगास और द वेनेशियन रिज़ार्ट जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरता है।

रेस के इतिहास में अब तक मैक्स वर्स्टैपेन ने दो बार (2023 और 2025) जीत हासिल की है, जबकि जार्ज रसेल ने 2024 में खिताब अपने नाम किया था। 2024 के आयोजन में कुल 113 ओवरटेक देखने को मिले थे और उसी वर्ष वर्स्टैपेन ने लगातार चौथा एफआईए फार्मूला-1 विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता था।

आर्थिक प्रभाव के मामले में भी यह आयोजन बेहद सफल रहा है। 2023 से 2025 तक केवल तीन संस्करणों में इस ग्रां प्री ने दक्षिणी नेवादा की अर्थव्यवस्था में कुल 3.2 अरब डालर का योगदान दिया। सभी तीनों संस्करण पूरी तरह सोल्ड आउट रहे।

केवल 2025 में इस आयोजन से 4.3 करोड़ डालर का राज्य और स्थानीय कर राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें से 1.5 करोड़ डालर स्थानीय च-12 शिक्षा कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए।

इसके अलावा, लास वेगास ग्रां प्री फाउंडेशन ने अब तक गैर-लाभकारी संस्थाओं को 20 लाख डालर से अधिक का सहयोग दिया है और स्थानीय छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर भी उपलब्ध कराए हैं।

फार्मूला-1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि लास वेगास ने कम समय में खुद को अमेरिका में फार्मूला-1 की पहचान का प्रमुख केंद्र बना लिया है और यह विस्तार उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

वहीं, लास वेगास ग्रां प्री इंक. की अध्यक्ष और सीईओ एमिली प्रेज़र ने कहा कि 2037 तक का विस्तार स्थानीय साझेदारियों की सफलता और समुदाय के सहयोग का परिणाम है। एलवीसीवीए के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव हिल ने इसे लास वेगास और फार्मूला-1 दोनों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह आयोजन अब शहर की वैश्विक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने पूर्व बार्नमाउथ कोच एंडोनी इराओला को नया मैनेजर नियुक्त किया

लिवरपूल। प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने पूर्व बार्नमाउथ मैनेजर एंडोनी इराओला दो साल के अनुबंध पर टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। 43 वर्षीय इराओला उच कोच आर्ने स्लाट की जगह लेंगे। स्लाट ने अपने पहले सीजन में लिवरपूल को प्रीमियर लीग खिताब दिलाया था, लेकिन दूसरे सीजन में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरने के कारण उन्हें पद से हटा दिया गया। नियुक्ति के बाद इराओला ने आधिकारिक बयान में कहा, लिवरपूल की ओर आकर्षित होने के लिए आपको बहुत ज्यादा कारणों की जरूरत नहीं होती। लिवरपूल, लिवरपूल है लेकिन जाहिर तौर पर यहां का माहौल, समर्थक, क्लब, खिलाड़ी, शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को कोचिंग देने का मौका और खिताब जीतने की लड़ाई में शामिल होने का अवसर — इससे अधिक आकर्षक कुछ नहीं हो सकता। ऐसा अवसर मिलना मुश्किल है। मैं शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं। स्पेन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इराओला ने 2003 से 2015 तक एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेला था। उन्होंने 2023 में बार्नमाउथ की कमान संभाली और क्लब के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2024-25 सीजन में बार्नमाउथ ने 56 अंक हासिल किए और लीग में नौवां स्थान प्राप्त किया, जो उस समय क्लब का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ शीर्ष डिवीजन प्रदर्शन था। इसके बाद इस सीजन में इराओला ने उस रिकार्ड को और बेहतर किया। उनकी अगुआई में बार्नमाउथ छठे स्थान पर रहा और टीम ने यूईएफए यूरोपा लीग के लिए क्वालिफाई किया। इराओला ने अप्रैल में क्लब छोड़ने की घोषणा कर दी थी। अब उनके सामने लिवरपूल जैसी बड़ी टीम को फिर से शीर्ष स्तर पर पहुंचाने की चुनौती होगी। पिछले सीजन में टीम पांचवें स्थान पर रही थी। साथ ही उन्हें मोहम्मद सलाह की कमी से भी निपटना होगा, जो पिछले एक दशक से टीम के प्रमुख गोल स्कोरर रहे हैं। यह नियुक्ति इराओला के कोचिंग करियर का अब तक का सबसे बड़ा अवसर मानी जा रही है और यह उनके प्रबंधकीय कौशल की भी बड़ी परीक्षा होगी।

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

मोहाली। पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है। इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

मुम्बई। 15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लास एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

लार्ड्स टेस्ट : अब मूविंग डे तीसरे नहीं पहले दिन होता है-काइल जैमीसन

लंदन

लार्ड्स में इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को 16 विकेट गिरने के बाद न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने कहा कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक मूविंग डे तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है।

पहले दिन के खेल में दोनों टीमों के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 140 रन पर सिमट गई, जबकि जवाब में न्यूज़ीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए।

जैमीसन ने दिन के खेल के बाद कहा, शायद अब टेस्ट मैच का मूविंग डे तीसरे दिन से पहले दिन पर आ गया है। इस समय इसे पूरी तरह समझना मुश्किल है। सुबह हमें बल्लेबाजी में अभी काफी काम करना है और उसके बाद गेंदबाजी में भी फिर मौका मिलेगा।

न्यूज़ीलैंड की टीम दूसरे दिन इंग्लैंड से अभी भी 79 रन पीछे रहते हुए बल्लेबाजी शुरू करेगी और उसके केवल चार विकेट शेष हैं। टीम की कोशिश होगी कि किसी तरह इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा जाए।

हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चिंता तेज गेंदबाज मैट हेनरी की फिटनेस को लेकर भी बढ़ गई है। हेनरी पहले दिन केवल चार ओवर गेंदबाजी कर पाए और पीठ में ऐंठन के कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

जैमीसन ने उम्मीद जताई कि हेनरी मैच में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा,

उनका मैदान छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उम्मीद है कि इस टेस्ट में किसी समय हम उन्हें दोबारा गेंदबाजी करते देखेंगे।

खुद जैमीसन भी लंबे समय तक पीठ की चोट से जूझ चुके हैं। लार्ड्स टेस्ट उनके लिए 2024 के बाद पहला टेस्ट मैच है। पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे लंबे समय तक बाहर रहे थे।

वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अनुकूल गेंदबाजी परिस्थितियों में पांच विकेट अपने नाम किए।

अपनी वापसी पर जैमीसन ने कहा,

जब आप पूरी मेहनत करते हैं और फिर चोट दोबारा हो जाती है तो आप सोचते हैं कि आखिर गलती कहां हुई। लेकिन रिहैब प्रक्रिया और कारणों को समझने के बाद मुझे भरोसा मिला कि समस्या सिर्फ मुझमें नहीं थी, कई वजहें थीं जिनसे यह हुआ। जैमीसन की शानदार गेंदबाजी ने न्यूज़ीलैंड को मुकाबले में बनाए रखा है और अब दूसरे दिन दोनों टीमों के लिए मैच का रुख तय करने वाला साबित हो सकता है।

बाबर की संयमित पारी और शादाब की फिनिशिंग से पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया, 3 मैचों की वनडे सीरीज पर किया 2-1 से कब्जा

लाहौर। आस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक वनडे मुकाबले में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए गुरुवार देर रात 4 विकेट से जीत दर्ज की। कम स्कोर वाले मुकाबले में पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की वन डे सीरीज अपने नाम कर ली। दूसरे वनडे में 231 रन का सफल बचाव करने के बाद आस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस ने निर्णायक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उम्मीद थी कि टीम फिर से चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाएगी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 157 रन पर सिमट गई। आस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही जब शाहीन अफरीदी ने शुरुआती ओवर में ही मैथ्यू शार्ट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने पारी संभाली और सबसे अधिक 65 रन (71 गेंद) बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इंग्लिस ने मार्नस लाबुशेन और बाद में एलेक्स कैरी के साथ साझेदारियां बनाकर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन उनके आउट होते ही आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ढह गई। आस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 119/3 था, लेकिन इसके बाद टीम ने केवल 37 रन जोड़कर आखिरी 7 विकेट गंवा दिए और 157 रन पर आलआउट हो गई। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए। स्पिनरों ने भी शानदार भूमिका निभाई। अबरार अहमद ने 10 ओवर में केवल 19 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि शादाब खान ने भी 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत आक्रामक रही। माज सादाकत ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत में रन गति बनाए रखी, लेकिन आस्ट्रेलिया ने लगातार विकेट लेकर मुकाबले को रोचक बना दिया। इस दौरान बाबर आजम ने बेहद संयमित बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों पर 40 रन बनाए और टीम की जीत की नींव रखी। आस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार झटके दिए। उन्होंने 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। एक समय पाकिस्तान 119/5 पर संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब्दुल समद (18)* और शादाब खान (29)* ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को 42वें ओवर में जीत दिला दी। संक्षिप्त स्कोर: आस्ट्रेलिया: 157 आलआउट (42 ओवर) — जोश इंग्लिस 65; शाहीन अफरीदी 3/30, अबरार अहमद 2/19, शादाब खान 2/28, पाकिस्तान: 161/6 (41.5 ओवर) — बाबर आजम 40, शादाब खान 29*; मैथ्यू कुहनेमन 3/38, परिणाम: पाकिस्तान 4 विकेट से विजयी।

रोम डायमंड लीग 2026

नोहा लाइल्स ने 100 मीटर रेस जीता, रुमेश पाथिरागे ने भाला फेंक में रचा इतिहास

रोम

ओलंपिक चैंपियन नोहा लाइल्स ने गुरुवार को रोम डायमंड लीग 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने भाला फेंक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। लाइल्स ने 100 मीटर दौड़ 9.88 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण स्थान हासिल किया।

कैमरून के इमैनुएल एसेमे दूसरे और बोत्सवाना के लेट्सले टेबोगो तीसरे स्थान पर रहे। इटली के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स पांचवें स्थान पर रहे।

पाथिरागे ने बनाया नया इतिहास - भाला फेंक स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने 92.62 मीटर का थ्रो कर प्रतियोगिता जीत ली और इस स्पर्धा की सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए।

उन्होंने मार्च में बनाए अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.37 मीटर को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि वे अभी भी महान चेक खिलाड़ी यान जेलेज़्नी के 98.48 मीटर विश्व रिकार्ड से पीछे हैं।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थाम्पसन तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 200 मीटर में जूलियन अल्फ्रेड ने पलटा मुकाबला महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में जूलियन अल्फ्रेड ने विश्व चैंपियन मेलिसा जेफरसन-वूडेन को हराते हुए पहला स्थान हासिल किया। अल्फ्रेड ने 21.93 सेकंड में दौड़ पूरी की, जबकि जेफरसन-वूडेन दूसरे और अनाविया बैटल तीसरे स्थान पर रहीं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा।

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग के फेज-2 ट्रायल्स 7 जून को पहले चरण की सफलता के बाद बढ़ाया गया दायरा

नई दिल्ली

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग (डीवीपील) ने अपने पहले चरण के सफल आयोजन के बाद अब दूसरे चरण के ट्रायल्स की शुक्रवार को घोषणा कर दी है। फेज-2 ट्रायल्स 7 जून (रविवार) को सुबह 8:00 बजे से लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे।

लीग के पहले चरण के ट्रायल्स को खिलाड़ियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। आयोजकों के अनुसार, जिन खिलाड़ियों को पुष्टि काल प्राप्त हुई थी, उनमें 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो लीग के पहले सीजन को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह को दर्शाता है।

अब डीपीवीएल ने अपनी प्रतिभा खोज प्रक्रिया को दिल्ली से बाहर उत्तर भारत के अन्य राज्यों तक विस्तार दिया है। फेज-2 ट्रायल्स के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर सहित सात राज्यों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों को उम्मीद है कि इस चरण में उत्तर भारत की कई उभरती हुई वालीबाल प्रतिभाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी।

सभी ट्रायल चरणों के पूरा होने के बाद चयनित खिलाड़ियों को आधिकारिक प्लेयर आक्शन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने स्क्वाड का चयन करेंगी।

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग खुद को भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली पेशेवर वालीबाल लीग के रूप में स्थापित कर रही है। लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एक संरचित मंच तैयार करना, प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना और वालीबाल को अधिक पेशेवर पहचान दिलाना है।

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली वालीबाल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से शुरू की गई इस लीग का लक्ष्य भारत में वालीबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मजबूत अवसर तैयार करना है।

नार्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने आल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी।

दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए।

इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजज़ा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आर्मागेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नौवें दौर के बाद अंक तालिका:

- वेस्ली सो — 15.5 अंक
- प्रज्ञानानंद — 15 अंक
- अलीरजा फिरोजज़ा — 14.5 अंक

महिलाओं में बिबीसारा बनीं चैंपियन

महिला वर्ग में कजाकिस्तान की बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर पहले ही नार्वे शतरंज महिला खिताब जीत लिया।

उन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक के खिलाफ क्लासिकल मुकाबला ड्रा खेला। बाद में आर्मागेडन में मुज़ीचुक ने अतिरिक्त अंक तो हासिल किए, लेकिन इसके बावजूद बिबीसारा की बढ़त गणितीय रूप से अजेय हो गई।

महिला वर्ग में दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत चीन की ज़ू जिनर ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दर्ज की।

वहीं भारत की कोनेरू हम्पी) और मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा, लेकिन आर्मागेडन में जू वेनजुन ने जीत हासिल की।

महिला वर्ग अंक तालिका (राउंड 9 के बाद):

- बिबीसारा अस्साउबायेवा — 16.5 अंक (चैंपियन)
- ज़ू जिनर — 13 अंक
- अन्ना मुज़ीचुक — 12 अंक।

ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल खतरनाक

इन दिनों तकनीक की मदद से हमारे कई काम आसान होते जा रहे हैं। लेकिन, कई बार तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो जाता है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, ड्राइविंग के वक्त हैंड्स-फ्री डिवाइस का इस्तेमाल भी काफी खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर ड्राइविंग के वक्त मोबाइल फोन पर बात करने के लिए कई लोग हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन, इस अध्ययन में कहा गया है कि हैंड्स-फ्री डिवाइस के इस्तेमाल से भी ड्राइवर का ध्यान भंग हो सकता है। भारत में भी ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत करना गैरकानूनी है लेकिन, ज्यादातर लोग ड्राइविंग के दौरान हैंड्स-फ्री पर बात करते हैं। भारत में सड़क दुर्घटना में कई लोगों को जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में इस अध्ययन के सामने आने से इस मुद्दे पर और गंभीर रूप से विचार करने की जरूरत है।

ड्यूक 390 अगले साल तक

ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम अपना ड्यूक 390 नेक्स्ट-जनेरेशन मॉडल अगले साल तक भारत में लॉन्च करेगी। हाल ही में इस ड्यूक की तस्वीरें यूरोप में टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। केटीएम ड्यूक 390 के इस नए मॉडल में कई बदलाव नजर आ रहे हैं, साथ ही बाइक की स्टाइलिंग में काफी बदलाव किए गए हैं। बाइक के फ्यूल टैंक को बिल्कुल नया डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा हेडलाइट क्लस्टर को भी बदला है। नए केटीएम ड्यूक 390 में ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नया स्विचगियर और एलईडी इंडिकेटर लगाए गए हैं। बाइक में सिंगल सिलिंडर इंजन लगा है, बताया जा रहा है कि इस बाइक के इंजन को भी पहले की तुलना में थोड़ा स्मूथ बनाया गया है ताकि ज्यादा वाइब्रेशन ना हो। इस नई ड्यूक 390 में पहले से बेहतर कूलिंग सिस्टम भी मौजूद है।

बीएमडब्ल्यू की स्टंट बाइक...

बीएमडब्ल्यू आगामी जी310आर बाइक भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के लिए उतार चुकी है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के दो मॉडलों को चेन्नई-बेंगलुरू हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। आगामी मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू की पहली बाइक है जिसको भारत में तैयार किया जा रहा है। इस बाइक को होसुर में टीवीएस मोटर्स के कारखाने में तैयार किया जाएगा। बीएमडब्ल्यू जी310आर को पहली बार 2016 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। उम्मीद है कि इस बाइक भारतीय बाजार में अक्टूबर, 2016 तक लॉन्च किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान एक दिलचस्प बात यह सामने आई कि बाइक बिना एंटी ब्रेक सिस्टम के दिखाई दी। दरअसल कंपनी किफायती दाम में बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। इसलिए भारतीय बाजार में इसके दो वेरिएंट लॉन्च हो सकते हैं। इसके अलावा परीक्षक सवार के अनुसार, बीएमडब्ल्यू जी310आर की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के माइलेज की बात करें तो यह 25 से28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। हालांकि यह आंकड़े अभी केवल अटकलें हैं। यह एक स्टंट बाइक है जिसको चार बार विश्व स्टंट बाइक चैंपियन रहे चुके क्रिस फीफर के सुझाव के साथ तैयार किया गया है। इस बाइक के ज्यादातार फीचर्स स्टंट के ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

ये नियम हैं फायदे के...

शास्त्रों के अनुसार निर्धारित नियमों का पालन करने से घर-परिवार को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें करते रहने से घर में ऊपरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती। सर्वप्रथम तुलसी को घर में स्थापित करें क्योंकि तुलसी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और भारत के हर भाग में सहज उपलब्ध हैं। जिस घर में तुलसी का पौधा नहीं, वह घर सूना समझा जाता है। तुलसी का स्पर्श कर घर में प्रवेश करने वाली वायु साक्षात अमृत होती है। दैहिक स्वास्थ्य को सिद्ध करती है। प्रतिदिन तुलसी को जल चढ़ाने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है अपितु इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि करते हैं। घर में मंदिर की स्थापना करने से पूर्व ध्यान रखें की वहां सूर्य की रोशनी और ताजी हवा आसानी से आ जा सके। ऐसा करने से ऊपरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। जिस घर में एकाक्षी नारियल की पूजा होती है, वहां लक्ष्मी जी की कृपा होती है, अन्न व धन की कभी कमी नहीं आती। गोबर में लक्ष्मी का वास होने से इसे गोवर अर्थात गौ का वरदान कहा जाना ज्यादा उचित होगा। गोबर से लीपे जाने पर ही भूमि यज्ञ के लिए उपयुक्त होती है। गोबर से बने उपलों का यज्ञशाला और रसोई घर, दोनों जगह प्रयोग होता है। मान्यता है जिस जगह को प्रतिदिन गाय के गोबर से लीपा पोता जाता है वह जगह हमेशा पवित्र रहती है और उस स्थान में मां लक्ष्मी सर्वदा निवास करती हैं। ऐसे घर को धन-दौलत से समृद्ध करती हैं मां लक्ष्मी।

मलेशिया की एक लीडिंग यूनिवर्सिटी ने भारत में रहने वाले हिंदुओं को डर्टी और अनक्लीन बताया है। यूनिवर्सिटी के इस टीचिंग मॉड्यूल के ऑनलाइन पब्लिश होने के बाद इसे लेकर विवाद हो गया है। इसमें दावा किया गया है कि हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। सच तो यह है कि किसी भी धर्म का मर्म जाने बिना उसके बारे में कोई भी टिप्पणी करना, कोई निष्कर्ष निकालना सतही ज्ञान का प्रदर्शन करना है। यूनिवर्सिटी के विद्वानों ने गंदगी कहकर हमारी भस्म की अवधारणा के बारे में अपनी अज्ञानता का परिचय दिया है।

सृष्टि का सार है भस्म...

मलेशिया की लीडिंग यूनिवर्सिटी के मुताबिक भारत के हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। इस यूनिवर्सिटी की बात हिंदुओं द्वारा शरीर पर भस्म लगाने की ओर इशारा करती है। यूनिवर्सिटी के विद्वान भस्म को गंदगी और इसे शरीर पर लगाने को अवैज्ञानिक करार दे रहे हैं। ये विद्वान न तो भस्म के विज्ञान को समझ पाए हैं, न भस्म के अध्यात्म को औ न ही भस्म के दर्शन को। दरअसल शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है। एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाया जाता है। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले भगवान शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

नश्वरता का आभास

भस्म यानी कुछ जलाने के बाद बची हुई राख। शिव जली हुई चिताओं के बाद बची हुई राख को भी अपने तन पर लगाते थे। इसका अर्थ पवित्रता में छिपा है, वह पवित्रता जिसे भगवान शिव ने एक मृत व्यक्ति की जली हुई चिता में खोजा है। इसे अपने तन पर लगाकर वे उस पवित्रता को सम्मान देते हैं। कहते हैं शरीर पर भस्म लगाकर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं। उनके अनुसार मरने के बाद मृत व्यक्ति को जलाने के बाद बची हुई राख में उसके जीवन का कोई कण शेष नहीं रहता। न उसके दुख, न सुख, न कोई बुराई और न ही उसकी कोई अच्छाई बचती है। इसलिए वह राख पवित्र है, उसमें किसी प्रकार का गुण-अवगुण नहीं है, ऐसी राख को भगवान शिव अपने तन पर लगाकर सम्मानित करते हैं। विभूति, भस्म या पवित्र राख के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है। इसमें 'ऊर्जा-शरीर'

को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन के नश्वरता की याद दिलाती रहती है, मानो आप हर समय अपने शरीर पर नश्वरता ओढ़े हुए हों। 'भस्म' शब्द में 'भ' अर्थात 'भर्त्सनम्' अर्थात 'नाश हो'। 'स्म' अर्थात स्मरण। भस्म के कारण पापों का निर्दालन होकर ईश्वर का स्मरण होता है। शरीर नाशवान है । इसे निरंतर स्मरण रखने का जो प्रतीक है, वह भस्म है; ऐसा भस्म शब्द का भावार्थ है। विभूति, रक्षा एवं राख ये भस्म के समानार्थी शब्द है। अपनी आहुति देकर मनुष्य का भस्म होना, अर्थात अपनी इच्छा-आकांक्षा, दोष, अज्ञान एवं अहं का त्याग करना एवं मन की शुद्धता प्राप्त करना इसका मर्म है। मनुष्यदेह नश्वर है, इसलिए मरणोपरांत उस देह को जलकर राख होना है। इसलिए कोई भी देहासक्ति न रखें । मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है, यह भान रख मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए प्रत्येक क्षण को पवित्र तथा आनंदमय बनाने में प्रयत्नरत रहें, यही भस्म सूचित करती है।

शरीर मूल पदार्थ नहीं

आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय का गोबर होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है। सुबह घर से निकलने से पहले, हम कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि हम अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर भस्म को सही तरीके से तैयार किया जाए और हमको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो भस्म हमें और ग्रहणशील बनाती है। हम उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। उस समय हमारा जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर हम अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

कहां और क्यों लगाते हैं भस्म

आपने ध्यान दिया होगा कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलू ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। हमारे शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे। पारंपरिक रूप से थोड़ी भस्म भौंहों के बीच लगाना है, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में लगाना है, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में लगाना है, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। भस्म आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि हम जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि हम जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ हमारी मौजूदगी ही हमारे आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, हमें बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही हम अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि हम जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें। यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन इसकी आलोचना इसलिए हो रही है कि उन्होंने इसे समझा ही नहीं।

विकास का उपकरण

वास्तव में भस्म शिव या किसी और भगवान की दी हुई चीज नहीं है। यह विश्वास का प्रश्न नहीं है। भारतीय संस्कृति में, उसे गहराई से किसी व्यक्ति के विकास के उपकरण के रूप में देखा गया है। सही तरीके से तैयार विभूति की एक अलग गूंज होती है। इसके पीछे के विज्ञान को पुनर्जीवित करने और उसका लाभ उठाने की जरूरत है। हमारे देश की संस्कृति में राख के बहुत से संदर्भ और अर्थ है राख एक वह जो जीवन का कटु सत्य है। प्राणांत के बाद यह देह भी भस्मसात होगी ही। कई बार तीर्थ स्थानों में गुफाओं में धूनी रमाए तपस्या करते साधु देखे जा सकते हैं। हमारे लोकगीतों और शास्त्रीय संगीत में अनेक प्रसंगो में भस्म का जिक्र आया है जैसे भस्म अंग गौरी संग अधिक सुहाय है...। कवियों ने अपनी कविताओं में भी भस्म का खूब प्रयोग किया हैं श्रीचन्द्रकुंवर बर्त्वाल ने 'ज्योति ओंकार' कविता में लिखा है ''शोभित चन्द्र कला मस्तक पर, भष्म विभूषित नग्न कलेवर कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन गिरती घोर घोष कर पद पर वज्र छटा सी दीप्त सुरधुनि। तथा शिव पंचाक्षर स्तोत्र में लिखा है- नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय विभूषिताय..।

राख से उपचार

आयुर्वेद में भी राख का विशेषकर पहाड़ी गाय के गोबर से बने उपले की राख का कई प्रकार से उपयोग किया जाता है। किसी बच्चे के पेट में दर्द होने पर गांवों में जब डाक्टर और दवा नहीं होती थी तो बुजुर्ग लोग दादी-नानी बच्चे के पेट में जलती अंगीठी से गर्म राख निकालकर मल देते और सेक करते थे तो आराम आता था। कई बार जब बच्चे की तकलीफ का पता नहीं चलता था और लगातार रोता था तो उसे गोद में लेकर सयाने लोग मंत्र बोल-बोल कर राख का स्पर्श करते हुए कभी मां दुर्गा का, कभी हनुमान चालीसा का, कभी भगवान शंकर के, या अन्य देवी देवताओं का पाठ करते और बालक के माथे पर राख का तिलक लगाते और बच्चे दर्द मुक्त हो कर सो जाते। भारतीय संस्कृति में गो माता तो पूजनीय है ही तथा उसके त्याज्य गोमूत्र और गोबर की सर्वोत्तम जैविक खाद तो है ही इसके अतिरिक्त गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का भी आरोग्यता के लिए प्रयोग किया जाता है। गाय के गोबर के उपले की राख के भी अनेक प्रयोग है संक्रमण से जब कभी गंज रोग हो जाता है और सर पर गोल चकते बन जाते व सिर के बाल उड़ जाते हैं तो उसके उपचार के लिए भी राख की आवश्यकता होती जो एक अलग विधि है। गाय के गोबर के उपले की राख में अत्यधिक औषधीय तत्व हैं। यों तो स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से संक्रामक रोगों पर काफी नियन्त्रण कर लिया गया है। फिर भी कभी-कभार कहीं न कहीं रोगों के दर्शन हो ही जाते हैं। बड़ी माता भयानक संक्रामक रोग है। जो शरीर पर निकले फफोलों के सूखने पर खुरण्ड से फैलता है उससे चेहरा कुरूप हो जाता है कहीं बार आंखों की रोशनी भी चली जाती हैं जिस समय उसके फफोले सूखने लगे तो उस समय उस स्थान पर कपड़े से छनी हुई गाय के गोबर के उपले की राख मलने से दाग नहीं पड़ते। यह अनुभूत सत्य है।

भस्म तिलक का आकार

देवता के तत्त्वानुसार मस्तक पर लगाए तिलक का आकार निर्धारित होता है। मस्तक पर बनाए भस्म के पट्टों में शिवतत्त्व आकर्षित होता है और शिव लय से संबंधित देवता होने से शिवतत्त्व आकर्षित करने वाली सीधी रेखाएं मस्तक पर बनाई जाती है। सीधी रेखा शांति एवं स्थिरता दर्शाती है। उसी प्रकार मस्तक के ये तीन पट्टे त्रिगुण, तथा उत्पत्ति, स्थिति एवं लय से संबंधित होते हैं। तिलक से निर्मित स्पंदन देह में कार्यरत होते हैं। तिलक के आकारानुसार व्यक्ति की प्रकृति तथा साधनामार्ग की पहचान होती है। विशेषज्ञों ने उत्तराखण्ड के सभी सिद्धपीठों का का वर्णन किया है। उत्तराखण्ड में लगभग सभी सिद्धपीठों में भस्म को अति पवित्र मानकर प्रसाद दिया जाता है और भक्तजन कुंकुम, रोली तथा चन्दन की तरह उसे शिरोधार्य करते है, अपनी आस्था और विश्वास के फलस्वरूप। भारतवर्ष के महान दार्शनिक विद्वान चार्वाक ने कहा था जब तक जीना है सुखपूर्वक जीना चाहिए कर्ज करके भी घी पीना चाहिए भस्म होने वाली यह देह भला फिर कहां से आएगी।

किस दिशा में सिर रख कर सोएं...?

पारंपरिक रूप से उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने के लिए अकसर हमें मना किया जाता है। क्या यह नियम पूरी दुनिया में सभी स्थानों पर लागू होता है? क्या है इसका विज्ञान? कौन सी दिशा सोने के लिए सबसे अच्छी है? किस दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए? यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

आपने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों यानी मैगनेटिक फील्ड के बारे में सुना होगा। कई रूपों में अपनी चुंबकीयता के कारण पृथ्वी बनी है। इसलिए इस ग्रह पर चुंबकीय शक्तियां शक्तिशाली हैं। अगर हम उत्तर की ओर सिर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उस तरह रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। जब शरीर क्षैतिज अवस्था में होता है, तो हम तत्काल देख सकते हैं कि हमारी नाड़ी की गति धीमी हो जाती है। शरीर यह बदलाव इसलिए लाता है क्योंकि अगर रक्त उसी स्तर पर पंप किया जाएगा, तो हमारे सिर में जरूरत से ज्यादा रक्त जा सकता है और हमें नुकसान हो सकता है। अब अगर हम अपना सिर उत्तर की ओर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उसी अवस्था में रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। अगर कोई व्यक्ति एक उम्र से आगे निकल चुका है और उसकी रक्त शिराएं कमजोर हैं तो उसको रक्तस्राव और लकवे के साथ स्ट्रोक हो सकता है। अगर हमारा शरीर मजबूत है और ये चीजें हमारे साथ नहीं होतीं, तो हम उत्तेजित या परेशान होकर जाग सकते हैं क्योंकि सोते समय दिमाग में जितना रक्त संचार होना चाहिए, उससे ज्यादा होता है। ऐसा नहीं है कि एक दिन ऐसा करने पर हम मर जाएंगे। मगर रोजाना ऐसा करने पर हम परेशानियों को दावत दे रहे हैं। हमारे साथ किस तरह की परेशानियां हो सकती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि हमारा शरीर कितना मजबूत है।

पूर्व सबसे अच्छी दिशा: तो किस दिशा में सिर करके सोना सबसे अच्छा होता है? पूर्व सबसे अच्छी दिशा है। पूर्वोत्तर ठीक है। पश्चिम चलेगा। अगर कोई विकल्प नहीं है तो दक्षिण। उत्तर बिल्कुल नहीं। जब तक आप उत्तरी गोलार्ध में हैं, यही सही है। उत्तर के अलावा किसी भी दिशा में सिर करके सोया जा सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में, दक्षिण की ओर सिर करके न रखें।

सुबह ऐसे उठें

अपनी दायीं तरफ घूमें: जब आप उठें, तो अपनी दायीं तरफ घूमें और फिर बिस्तर से बाहर आएं, क्योंकि नींद से उठते समय मेटाबोलिक प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। ऐसे में अचानक से बिस्तर छोड़ने पर दिल पर दबाव पड़ेगा।

अपने हाथों को मसलें: सुबह बिस्तर से उठने से पहले अपने हाथों को मसलें और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर लगाएं। हथेलियों को मसलने से हाथों में स्थित सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और हमारा सिस्टम जल्दी से सजग हो जाता है।

मुस्कुराएं: सुबह उठ कर मुस्कुराएं! किसे देख कर? किसी को नहीं! क्योंकि आपका सुबह उठना अपने आप में एक बड़ी बात है। लाखों ऐसे लोग हैं जो कल रात सोए और आज सुबह नहीं उठे, लेकिन आप सुबह उठ गए। क्या यह बड़ी बात नहीं है? इसलिए मुस्कुराएं।

उठने के बाद यह करें

पारंपरिक रूप से यह भी कहा जाता है कि सुबह उठने से पहले हमें अपनी हथेलियां रगड़नी चाहिए और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर रखना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हमें भगवान दिख सकते हैं। इसका संबंध भगवान के दिखने से नहीं है। हमारे हाथों में नाड़ियों का एक भारी जाल है। अगर हम अपनी हथेलियां रगड़ते हैं, तो सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और शरीर तत्काल सजग हो जाता है। सुबह जगने पर भी अगर सुस्त महसूस करते हैं, तो ऐसा करके देखिए, आपका पूरा शरीर तत्काल सजग हो जाएगा। तत्काल आपकी आंखों और आपकी इंद्रियों के दूसरे पहलुओं से जुड़ी सारी नाड़ियां सजग हो जाती हैं। शरीर को हिलाने से पहले आपका शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय होने चाहिए। आपको सुस्त नहीं उठना चाहिए, इसका मकसद यही है।

खादी की लहर है...

केवीआईसी यानी खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग ने मंगलावर को कहा कि देश में खादी की लहर है और कई मंत्रालयों व संस्थानों ने दैनिक आधार पर हाथ से बुने परिधान का उपयोग शुरू किया है। खादी उत्पादों के लिए मांग बढ़ रही है और खादी दस्तकारों के लिए अधिक मानव श्रम सृजित कर रही है। जब 1920 के दशक में भारत में हाथ से बने खादी वस्त्रों की शुरुआत हुई तो यह केवल एक ढर्रा नहीं था, यह एक विचारधारा के रूप में सामने आया था। इसके सबसे बड़े प्रशंसक महात्मा गांधी थे और सूती भारत की आत्मनिर्भरता, ब्रितानी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों से आजादी का प्रतीक बन गया था। आज भी यह कई नेताओं की पहली पसंद है। अब इसे लगातार फैशनेबल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय मौसम के लिए यह सबसे दुरुस्त पहनावा है, जो पसीने और गर्मी से राहत देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी खादी पहनने का सुझाव दिया था। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया अनुसार यह बहुत ज्यादा संभावना वाला बाजार है, खादी के कपड़े सस्ते हैं. भारतीय डिजाइनर जनता के साथ काम करना चाहते हैं, न कि कुछ खास लोगों के लिए। इस समय भारतीय कपड़ा बाजार में इसकी महज एक या दो फीसदी हिस्सेदारी है। यह अभी भी एक सवाल है कि खादी की छवि को बदलने की ये कोशिशें क्या वाकई कोई बदलाव ला सकेंगी। हालांकि, इसकी व्यापक लोकप्रियता में समय लग सकता है लेकिन खादी में बदलाव इससे जुड़े लाखों कारीगरों की जिंदगी को बदल सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**